दैनिक

साधना एक्सप्रेस

वर्ष-4 | अंक -91 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, सोमवार, 30 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

दूसरी बार मां बनीं सोनम कपूर; बेटे को दिया जन्म

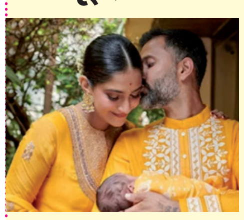

नई दिल्ली, एजेंसी | सोनम कपूर और आनंद आहूजा के परिवार में नन्हे मेहमान का आगमन हुआ है। एक्ट्रेस ने आज रविवार 29 मार्च को दूसरी संतान के रूप में बेटे का स्वागत किया है। बता दें कि कपल के पहले से एक बेटा वायु है। सोनम कपूर ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर फैंस के साथ खुशखबरी शेयर की है। साथ ही दुआओं के लिए शुक्रिया कहा है।

सोनम कपूर और आनंद आहूजा ने आज रविवार को इंस्टाग्राम पर एक साझा पोस्ट शेयर किया है। इसमें बेटे के जन्म की खबर साझा करते हुए उन्होंने लंबा नोट लिखा है। कपल ने लिखा है, 'बेहद कृतज्ञता और प्यार से भरे दिलों के साथ हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि आज 29 मार्च 2026 को हमारे घर एक नन्हे बेटे का आगमन हुआ है'।

कपल ने आगे लिखा है, 'हमारा परिवार अब और बड़ा हो गया है। हमारे दूसरे बेटे के जन्म से हमारे दिल भी एक बेहद खूबसूरत तरीके से और विशाल हो गए हैं। वायु अपने छोटे भाई का स्वागत करके बहुत खुश है। हम इस अनमोल नई जान के लिए खुद को बहुत सौभाग्यशाली महसूस करते हैं, जिसने हमारे घर को खुशियों और आशीर्वाद से भर दिया है। हम चार लोगों के परिवार के रूप में इस खूबसूरत नए अध्याय की शुरुआत करने के लिए ईश्वर के आभारी हैं। सोनम, आनंद और वायु की तरफ से आप सभी को ढेर सारा प्यार और शुक्रिया'।

बंगाली एक्टर राहुल अरुणोदय बनर्जी का 43 की उम्र में निधन, शूट के दौरान डूबने से हुआ दुखद हादसा

कोलकाता, एजेंसी | बंगाली फिल्म 'चिरोदिनी तुमि जे आमार' के अभिनेता राहुल अरुणोदय बनर्जी का 29 मार्च 2026 को दुखद निधन हो गया। वह ओडिशा के तलसारी बीच में एक शूट के दौरान डूबने की घटना का शिकार हुए और बाद में अस्पताल ले जाते समय उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

न्यूज 18 के अनुसार, राहुल के को-एक्टर भास्कर बनर्जी ने बताया कि शूट के बाद बाकी टीम लंच के लिए चली गई थी, लेकिन राहुल कुछ बचे हुए सीन शूट करने के लिए वहां रुके थे। इस बीच ये हादसा हो गया। वहीं पूर्व मिदनापुर पुलिस ने भी उनकी मौत की पुष्टि की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अतिष बिस्वास ने कहा कि डूबना प्रारंभिक कारण है, हालांकि मामले की जांच जारी है।

राहुल बनर्जी को सबसे ज्यादा पहचान 2008 की हिट फिल्म 'चिरोदिनी तुमि जे आमार' से मिली थी, जिसने उन्हें बंगाली दर्शकों के बीच पॉपुलर बनाया। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों, टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर काम किया। उन्होंने सहज कथा जैसे शो में भी काम किया, जो दर्शकों के बीच उनकी पॉपुलैरिटी बढ़ाने में मददगार साबित हुआ।

राहुल बनर्जी के निजी जिंदगी की बात करें, तो उन्होंने अपनी ऑन-स्क्रीन को-स्टार प्रियंका सरकार से शादी की थी। दोनों का एक बेटा सहोझ है। कपल 2017 में अलग हो गया था, लेकिन 2023 में बेटे की परवरिश के लिए दोबारा साथ आ गया।

राहुल बनर्जी को 2008 की फिल्म 'चिरोदिनी तुमि जे आमार' से सफलता मिली। इसके बाद उन्होंने 'लव सर्कस', 'शोनो मों बोली तोमाय', 'ना हन्यते', 'कागोजेर बौ' जैसी फिल्मों में काम किया।

माँ नर्मदा के आशीर्वाद से प्रदेश में बह रही है विकास की नई धारा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

• भोपाल संवाददाता

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मां नर्मदा प्रदेश की जीवन रेखा है और उनके आशीर्वाद से मध्यप्रदेश में विकास की नई धारा प्रवाहित हो रही है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक रूप से भी होलकर साम्राज्य ने मां नर्मदा के आशीर्वाद से कठिन परिस्थितियों में सनातन संस्कृति को सशक्त बनाए रखा और देशभर के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर घाट, धर्मशालाएं एवं अन्नक्षेत्र विकसित किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नर्मदा परियोजनाओं को नई गति मिली है। सरदार सरोवर परियोजना के माध्यम से गुजरात, राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के निमाड़ क्षेत्र सहित व्यापक भू-भाग में जल उपलब्धता सुनिश्चित हुई है, जिससे कृषि, उद्योग एवं पेयजल की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर में आयोजित नर्मदा के चतुर्थ चरण के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर शहर को पेयजल व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिये मां नर्मदा जल के चतुर्थ चरण के

तहत अमृत 2.0 योजना में 1356 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन । इससे शहर की पेयजल आपूर्ति संबंधित बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और नागरिकों को बेहतर जलापूर्ति सुविधाएं प्राप्त होंगी। मुख्यमंत्री इंदौर के रामसर साइट सिरपुर में 62.72 करोड़ रूपये लागत से निर्मित एसटीपी प्लांट का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संकल्प से समाधान अभियान के तहत विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर संचालित किए गए इस संकल्प से समाधान अभियान के तहत इंदौर जिले में एक लाख 44 हजार से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि "संकल्प से समाधान" अभियान में इंदौर जिले में एक लाख 44 हजार 912 आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया है। यह अभियान प्रदेश के सभी 55 जिलों में प्रभावी रूप से संचालित हुआ। प्रदेश में अब "जल गंगा संवर्धन अभियान" प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत लगभग पौने तीन लाख कुएं, बावड़ी, तालाब एवं नहरों का निर्माण एवं जल संरचनाओं पुनर्जीवित किया जाएगा।

ईरान ने अब्राहम लिंकन को उड़ाने की दी धमकी, अलर्ट पर यूएस और इजरायल की सेनाएं

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी | पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हालात बेहद नाजुक हो गए हैं। ईरान ने सीधी चेतावनी दी है कि अगर अमेरिकी नौसेना का जहाज 'अब्राहम लिंकन' उनकी पहुंच में आया, तो वे उस पर हमला कर देंगे। खबरों के मुताबिक, ईरान ने अपने ड्रोन और मिसाइल हमलों को काफी तेज कर दिया है, जिससे पूरे इलाके में खतरे की घंटी बज गई है।

ईरान लगातार इजरायल और अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहा है। इसके जवाब में अमेरिका और इजरायल ने भी अपनी सैन्य कार्रवाई आक्रामक कर दी है। दोनों तरफ से बढ़ते हमलों ने इस क्षेत्र में शांति की उम्मीदों को कम कर दिया है और तनाव को एक खतरनाक स्तर पर पहुंचा दिया है।

इस बढ़ते विवाद को देखते हुए सऊदी अरब, यूएई और कतर जैसे देशों ने अपनी सुरक्षा बढ़ा दी है। दुबई और दोहा जैसे बड़े शहरों में हवाई हमलों से बचने वाले 'एयर डिफेंस सिस्टम' को एक्टिव कर दिया गया है, ताकि किसी भी अनहोनी को टाला जा सके।

दुनिया के सबसे जरूरी तेल मार्ग 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पर भी खतरे के बादल मंडरा रहे हैं।

अगर यहां युद्ध जैसे हालात बनते हैं, तो पूरी दुनिया में कच्चे तेल की सप्लाई रुक सकती है। इससे पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ेंगी और वैश्विक अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान हो सकता है।

अधोसंरचना विकास के साथ शिक्षा में गुणात्मक विकास आवश्यक - उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

• भोपाल संवाददाता

भोपाल | उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि अधोसंरचना विकास के साथ शिक्षा में गुणात्मक विकास आवश्यक है। रीवा में शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार को बेहतर बनाने के सभी प्रयास जारी हैं। हमारा प्रयास है कि गुणात्मक शिक्षा व बेहतर इलाज की सभी व्यवस्थायें रहें ताकि यहां के लोगों को उच्च शिक्षा व इलाज के लिये बाहर न जाना पड़े। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने लगभग 3 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा भवन का लोकार्पण किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपने संभाग को आदर्श संभाग बनायें। महाविद्यालय के प्राचार्यों का दायित्व है कि वह अपने महाविद्यालय में नवीन पाठक्रम संचालन के लिये प्रयासरत रहें तथा प्राध्यापकों व विद्यार्थियों के साथ जीवंत संबंध बनायें रखें। उन्होंने कहा कि अच्छा प्रशासक वही है जो जमीनी फीड बैक लेकर कार्य करे। यह भवन उच्च स्तरीय सुविधाओं से युक्त है। जब कार्यालय अच्छा होता है तो कार्य करने की इच्छा भी बढ़ जाती है।

इस कार्यालय भवन के द्वारा संभाग के सभी महाविद्यालयों के विकास व उच्च शिक्षा के गुणात्मक सुधार के सभी प्रयास तत्परता से होंगे।

पत्नी से छुटकारा पाने के लिए पति ने देवी मां से की मन्नत, 9 किमी दंडवत यात्रा कर पूरा किया संकल्प

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | बस्ती के सोनहा थाना क्षेत्र से पति-पत्नी के रिश्तों को लेकर एक बेहद अजब गजब मामला सामने आया है। यहां एक पति ने अपनी पत्नी से परेशान होकर उससे छुटकारा पाने के लिए देवी मां से मन्नत मांगी थी, जो अब पूरी होने के बाद उसने अपने संकल्प को निभाकर सबको हैरान कर दिया है।

दरअसल, पति जोगेश अपनी पत्नी से बहुत परेशान हो गया था। उस से छुटकारा पाने पर देवी मां की मन्नत मांगी थी। अगर उसका तलाक हो जाता है, तो वह 12 घंटे में दंडवत 9 किलो मीटर चलते हुए देवी मां के मंदिर पर पहुंचा, बता दें एक की शादी 2022 में हुई थी और 2026 में उस का तलाक हो गया है।

पति ने बताया कि मां बैडवा समय माता से प्रार्थना की थी कि यदि उसे अपनी पत्नी से मुक्ति मिल जाती है, तो वह अपने घर से भानपुर स्थित माता के मंदिर तक दंडवत यात्रा करते हुए दर्शन करने पहुंचेगा। समय बीतने के साथ उसकी मन्नत पूरी हो गई, जिसके बाद उसने अपने वचन को निभाने का निर्णय लिया।

इस दंडवत यात्रा के लिए उसने बाकायदा पहले प्रशासन से अनुमति भी ली। पति ने एसडीएम से सड़क मार्ग पर दंडवत यात्रा करने की मंजूरी मांगी थी, जिसे स्वीकृति भी मिल गई। प्रशासन ने उसकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दो पुलिसकर्मियों की भी तैनाती कर दी, जो पूरी यात्रा के दौरान उसके साथ मौजूद रहे।

जलती चिताओं के बीच श्मशान से निकली ज्ञान की रोशनी, 'अप्पन पाठशाला' की बच्चियों ने मैट्रिक परीक्षा में मारी बाजी

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | बिहार के एक श्मशान घाट पर जलती चिताओं के बीच, सुमित नाम के एक व्यक्ति ने कुछ बच्चों को फल और पैसे उठाते देखा। यह देखकर उन्हें बहुत दुख हुआ। उन्होंने उन बच्चों को पढ़ाने का फैसला किया। सुमित ने 'अप्पन पाठशाला' नाम से एक स्कूल खोला। आज, उस स्कूल के 130 बच्चे हैं।

इस साल माही और निशा ने मैट्रिक (10वीं) की परीक्षा में प्रथम श्रेणी प्राप्त की है। यह खबर 'अप्पन पाठशाला' और इन बच्चों के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

सुमित कुमार 'अप्पन पाठशाला' के संस्थापक हैं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने स्कूल शुरू किया था, तब केवल 8-10 बच्चे थे। अब 130 बच्चे पढ़ते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पहले यहां के बच्चे पढ़ते नहीं थे। वे सारा दिन श्मशान में खेलते रहते थे। सुमित कुमार ने बच्चों से पूछा था कि पढ़ते हो? बच्चों ने जवाब दिया कि पढ़कर क्या करेंगे? इस जवाब ने सुमित को अंदर तक हिला दिया। तभी उन्होंने इन बच्चों को पढ़ाने का संकल्प लिया। वह उन्हें समझाना चाहते थे कि पढ़कर वे क्या-क्या कर सकते हैं। इस वर्ष मैट्रिक की परीक्षा में पाठशाला में पढ़ने वाली माही और निशा ने मैट्रिक की परीक्षा दी। दोनों लड़कियां फर्स्ट डिवीजन से पास हुईं।

केरोसीन नियमों में बदलाव, एलपीजी किल्लत के बीच सरकार ने उठाया बड़ा कदम

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | देश में एलपीजी किल्लत के बीच सरकार ने एक अहम कदम उठाया है। उसने केरोसीन नियमों में ढील दी है। इस संबंध में रविवार 29 मार्च को एक गजट नोटिफिकेशन जारी हुआ है। इसके अनुसार, केंद्र सरकार ने घरों तक केरोसिन पहुंचाने में आसानी के लिए पेट्रोलियम सुरक्षा और लाइसेंसिंग नियमों में ढील दी है। इसका मकसद घरों तक केरोसिन की सप्लाई में तेजी लाना है। ईरान युद्ध के कारण दुनिया भर में ऊर्जा की सप्लाई बाधित हुई है। इसी को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। इन उपायों से 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में घरों तक खाना पकाने और रोशनी के लिए केरोसिन की एड-हॉक सप्लाई संभव हो पाएगी।

नोटिफिकेशन के अनुसार, केंद्र सरकार ने घरों तक केरोसिन पहुंचाने में आसानी के लिए पेट्रोलियम सुरक्षा और लाइसेंसिंग नियमों में ढील दी है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और गुजरात सहित 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में खाना पकाने और रोशनी के लिए पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (PDS) के तहत बेहतर केरोसिन तेल (SKO) के एड-हॉक आवंटन की अनुमति दे दी है।

क्या कहते हैं नए नियम? - इन नियमों के तहत कुछ चुनिंदा पेट्रोल पंपों को केरोसिन स्टोर करने और बेचने की अनुमति होगी।

ये पेट्रोल पंप वे होंगे जिन्हें सार्वजनिक क्षेत्र की तेल मार्केटिंग कंपनियां चला रही हैं।

हर तय आउटलेट 5,000 लीटर तक केरोसिन स्टॉक कर सकता है।

पलक्कड़ से पीएम मोदी का एलडीएफ पर बड़ा हमला

बोले- पाई-पाई का हिसाब होगा

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के पलक्कड़ में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा के चुनाव अभियान की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने राज्य की एलडीएफ सरकार और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केरल की जनता अब बदलाव चाहती है और एनडीए का लक्ष्य राज्य के लोगों के सपनों को पूरा करना है।

प्रधानमंत्री ने दुनिया के मौजूदा हालातों का जिक्र करते हुए कहा कि पश्चिमी एशिया में चल रहे युद्ध पर भारत की पैनी नजर है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार कोशिश कर रही है कि इस युद्ध का भारत पर कम से कम असर पड़े। केरल के कई लोग उन युद्धग्रस्त इलाकों में काम कर रहे हैं, जिनकी सुरक्षा के लिए पीएम खुद वहां के राष्ट्राध्यक्षों से संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के लिए भारतीयों के हितों की सुरक्षा सबसे ऊपर है, जबकि इस मामले पर कांग्रेस की बयानबाजी खतरनाक है।

नारीशक्ति वंदन अधिनियम का किया जिक्र - पीएम मोदी ने महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि पलक्कड़ में कांग्रेस नेताओं ने महिलाओं की चिंताएं बढ़ाई हैं। उन्होंने हाल ही में एक कांग्रेसी नेता के निष्कासन का जिक्र करते हुए कहा कि केरल की महिलाओं को इन पार्टियों की सच्चाई समझनी चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि भाजपा 'महिला नेतृत्व वाले विकास' पर विश्वास करती है, जिसके लिए केंद्र सरकार ने 'नारीशक्ति वंदन अधिनियम' पास किया है ताकि विधानसभा और संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़े।

केरल के भ्रष्टाचार पर तीखा प्रहार - राज्य की आर्थिक स्थिति पर सवाल उठाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल पर आज 5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज है, जो पिछले 10 साल में तीन गुना बढ़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पैसा विकास के बजाय एलडीएफ की जेबों में गया है। पीएम ने वादा किया कि जब केरल में भाजपा की सरकार आएगी, तो भ्रष्ट लोगों से पाई-पाई का हिसाब लिया जाएगा और उनकी अवैध संपत्ति वापस लेकर राज्य के विकास में लगाई जाएगी।

कांग्रेस और वामपंथियों के 'गुप्त गठबंधन' से सावधान रहने की सलाह - मोदी ने जनता को आगाह करते हुए कहा कि दिल्ली और तमिलनाडु में हाथ मिलाने वाली कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियां केरल में एक-दूसरे का विरोधी होने का दिखावा करती हैं। उन्होंने इसे जनता को धोखा देने वाला इंडी गठबंधन बताया। पीएम ने कहा कि यूडीएफ और एलडीएफ दोनों मिलकर भाजपा को इसलिए निशाना बना रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि सत्ता में आने पर भाजपा उनके पुराने घोटालों का पर्दाफाश कर देगी।

जिला मुख्यालय पर दो पेट्रोल पंप हुए सूखे प्रशासन की मॉनिटरिंग से स्थिति नियंत्रण में

नर्मदापुरम। जिला मुख्यालय नर्मदापुरम में डीजल पेट्रोल की कमी की अफवाह फैलने से घबराहट में पिछले दो दिनों से पेट्रोल पंपों पर लोगों की लंबी कतार लग रही है और घंटों इंतजार कर वाहनों में डीजल पेट्रोल डलवा रहे हैं। जबकि डीजल पैट्रोल सप्लाई और भंडार की कमी नहीं है नियमित आपूर्ति हो रही है। सिटी मजिस्ट्रेट देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि डीजल पेट्रोल की आपूर्ति में कोई कमी नहीं है। लोग बेवजह पैनिक होकर स्टॉक करने के लिए टैंक फुल करवा रहे हैं। जिससे कुछ जगहों पर अव्यवस्था की स्थिति बन गई। पेट्रोलियम पदार्थों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है,पेट्रोल पंपों पर ईंधन की आपूर्ति की सतत एवं नियमित रूप से मॉनिटरिंग भी की जा रही है। वही मीडिया टीम द्वारा गुरुवार दोपहर नगर के पेट्रोल पंपों का कवरेज के दौरान सतरास्ता स्थित ॥क्क का वंशिका फिलिंग स्टेशन पैट्रोल पंप बंद मिला। जहां ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि पेट्रोल खत्म हो गया है। वही प्राइवेट बस स्टैंड के सामने भारत पेट्रोलियम का युसूफ अली एंड संस पेट्रोल पंप पर डीजल पेट्रोल के लिए लोगों की भीड़ देखी गई। जबकि उक्त पेट्रोल पंप के बाजू से ही फौजदार पेट्रोल पंप काफी समय से बंद पड़ा हुआ है। जिस पर भी जिला प्रशासन को संज्ञान लेना चाहिए। इसी प्रकार पुलिस लाइन के पुलिस पेट्रोल पंप पर लोगों की लाइन डीजल पेट्रोल के लिए देखी गई। जहां लोगों को डीजल केनो में भी उपलब्ध कराया जा रहा था। इसी प्रकार बांद्राभान रोड मालाखेड़ी तिराहे पर भारत पेट्रोलियम के मां रेवा फ्यूल्स पर भी डीजल पेट्रोल की कतारबद्ध लाइन देखी गई और लोगों को डीजल पेट्रोल सुलभता से मिल रहा था। इसी प्रकार भारत पेट्रोलियम का बाबई रोड स्थित वरदान फ्यूल स्टेशन पैट्रोल पंप बंद मिला। वहां मौजूद कर्मचारी ने बताया कि डीजल पेट्रोल खत्म हो गया है रात तक टैंकर आ जाएंगे। इसी प्रकार जेल रोड के पास बड़ी पहाड़ियां मार्ग पर स्थित एचपी के पेट्रोल पंप पर भी लोगों को सुलभता से पेट्रोल डीजल उपलब्ध होता पाया गया। इस दौरान यह बात भी सामने आई कि फिलहाल में कुछ जगहों पर निर्धारित राशि 100 से 200 रुपए मूल्य तक का ही पेट्रोल कर्मचारियों द्वारा वाहन चालकों को दिए जा रहा है।

राजगढ़ कलेक्टर ने किया नरवाई प्रबंधन गीत का लोकार्पण

राजगढ़. कृषकों को नरवाई प्रबंधन के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा एक अभिनव पहल करते हुए शुक्रवार को कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने नरवाई प्रबंधन पर आधारित जनजागरूकता गीत का लोकार्पण किया। यह गीत सहायक संचालक कृषि प्रहलाद सिंह बारेला द्वारा निर्मित एवं प्रस्तुत किया गया है।

यह प्रेरणादायी गीत सरल एवं प्रभावी शब्दों के माध्यम से कृषकों को नरवाई प्रबंधन के महत्व से अवगत कराता है। गीत के बोल– 'राजगढ़ की रानी मैं, ये खेत मेरा ताज... नरवाई का प्रबंधन, मेरा नया राज...' –कृषि के प्रति गर्व और जिम्मेदारी का संदेश देते हैं। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने कहा कि नरवाई जलाना न केवल पर्यावरण के लिए हानिकारक है, बल्कि इससे मिट्टी की उर्वरता भी प्रभावित होती है। उन्होंने कृषकों से अपील की कि वे आधुनिक तकनीकों को अपनाकर नरवाई का समुचित प्रबंधन करें, जिससे भूमि की गुणवत्ता बनी रहे और उत्पादन में वृद्धि हो। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के रचनात्मक प्रयास जागरूकता फैलाने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध होते हैं। गीत के निर्माता प्रहलाद सिंह बारेला ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य कृषकों तक सरल भाषा में महत्वपूर्ण संदेश पहुंचाना है, ताकि वे नरवाई प्रबंधन को अपनाकर पर्यावरण संरक्षण एवं बेहतर कृषि उत्पादन में योगदान दे सकें।

संक्षिप्त समाचार

मंदिर में चोरी करने वाले आरोपी को न्यायालय ने 1 वर्ष के सश्रम कारावास से किया दंडित

सिरोंज। गुरूवार को न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी मोना शुक्ला पांडे के न्यायालय द्वारा बटैया बाबडी के मंदिर में चोरी करने के आरोपी अखिलेश बघेल को 1 वर्ष का आयोजन सश्रम कारावास व 1000 रूपये के अर्थदंड से दंडित किया है। सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी मोहित सिंह कुशवाह ने बताया कि दिनांक 20-7-2025 को बटैया बाबडी मंदिर के पुजारी जगदीश त्यागी ने थाना सिरोंज में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जब वह मंदिर में पूजा करने गये तो देखा कि मंदिर में हनुमान जी के चांदी के खड़ाऊं व चांदी का छत्र नहीं थे। पुलिस द्वारा पुलिस ने धारा 305(डी) एवं 331(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण दर्ज किया था। अपराध की विवेचना प्रधान आरक्षक राकेश शर्मा द्वारा कि गयी। प्रकरण में पैरवी सहायक लोक अभियोजक मोहित सिंह कुशवाह द्वारा कि गयी। व प्रकरण शीघ्र सुनवाई के लिए महिला आरक्षक प्रियंका बघेल द्वारा समंस जारी कर सहयोग किया गया। जिसपर न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी न्यायाधीश श्रीमति मोना शुक्ला पांडे द्वारा आरोपी अखिलेश बघेल को 1 वर्ष का सश्रम कारावास व 1000 रूपये के अर्थदंड से दंडित किया गया।?

मप्र कांग्रेस बेरोजगार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बने जितेन्द्र बघेल

सिरोंज। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार तथा संगठन मंत्री संजय कामले की सहमति से, बेरोजगार प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष सुश्री नेहा पालीवाल द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी के ऊर्जावान अध्यक्ष मोहित रघुवंशी की अनुशंसा पर सिरोंज विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस नेता जितेंद सिंह बघेल को बेरोजगार प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संगठन के प्रति आपकी निष्ठा, सक्रियता और जनसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक है। संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी तथा युवाओं और बेरोजगारों की समस्याओं एवं अधिकारों की आवाज़ को और अधिक प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने नियुक्ति पर जितेंद्र सिंह बघेल को बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी।नवनियुक्त अध्यक्ष जितेन्द्र बघेल ने वरिष्ठ नेतृत्व का आभार जताया है।?

राष्ट्रीय सेवा योजना केडीबीएम महाविद्यालय के सात दिवसीय विशेष शिविर का पांचवां दिन उत्साहपूर्वक सम्पन्न

सिरोंज। राष्ट्रीय सेवा योजना केडीबीएम महाविद्यालय द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का पांचवां दिवस सेवा, जागरूकता एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। दिन की शुरुआत स्वयंसेवकों द्वारा योग एवं ज्ञान सत्र के साथ हुई, जिसमें स्वस्थ जीवनशैली और सकारात्मक सोच के महत्व पर चर्चा की गई। परियोजना कार्य के अंतर्गत स्वयंसेवकों ने विद्यालय प्रांगण की साफ-सफाई की तथा स्कूल के नल के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाया।

एचपीवी टीकाकरण में तेजी लाने कलेक्टर सख्त: 75% से कम केंद्रों पर फोकस

रियल टाइम में पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश

राजगढ़ . रणनीति अपनाई है। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने शनिवार को वर्चुअल बैठक में स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों को समन्वित प्रयासों से लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में टीकाकरण अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने उन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों पर विशेष ध्यान देने को कहा, जहां प्रगति 75 प्रतिशत से कम है। पीलूखेड़ी जैसे क्षेत्रों में टीकाकरण बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने नियमित सत्रों में एएनएम स्टाफ की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने सीएचओ, आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और स्वयं सहायता समूहों को सुबह 9 बजे तक सत्र शुरू करने तथा यू-विन पोर्टल पर रियल टाइम एंट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एमपीडब्ल्यू और एलएचवी द्वारा लगातार निगरानी रखी जाएगी। अभियान को मजबूत बनाने के लिए जिले के 34 आयुष चिकित्सकों को भी जोड़ा गया है। प्रत्येक को 10 टीकाकरण का लक्ष्य दिया गया है। जागरूकता बढ़ाने के लिए एसडीएम स्तर पर धर्मगुरुओं, मुफ्ती, काजी और आलिम के साथ बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग, नगरीय निकायों के सीएमओ, जनपद पंचायतों के सीईओ और पंचायत सचिवों को भी अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

जिले में अब तक 11,910 एचपीवी टीके लगाए जा चुके हैं, जबकि पूरे मध्यप्रदेश में यह आंकड़ा 2.30 लाख से अधिक है। अभियान को गति देने के लिए प्रत्येक ब्लॉक में चार मोबाइल टीमें गठित की गई हैं। इन टीमों में वैक्सीनेटर, वेरिफायर और एईएफआई किट के साथ ओआरएस पैकेट भी उपलब्ध रहेंगे।

जिन सीबीएसई स्कूलों में 29 मार्च को प्राचार्यों की अनुमति मिली है, वहां भी टीकाकरण सत्र आयोजित किए जाएंगे। नियमित टीकाकरण के लिए नरसिंहगढ़, ब्यावरा, राजगढ़ और सारंगपुर को 300-300 तथा खिलचीपुर और जीरापुर को 150-150 टीके लगाने का लक्ष्य दिया गया है।

कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने सभी अधिकारियों को फील्ड में रहकर अभियान की लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए और कहा कि समन्वित प्रयासों से ही इस महाअभियान को सफल बनाया जा सकता है।

शौर्य यात्रा का सेमनरी रोड पर स्वागत

आष्टा. श्रीराम जन्मोत्सव रामनवमी पर सैंधव क्षत्रिय राजपूत समाज की शौर्य समिति ने शौर्य यात्रा निकाली। आदिवासी विकास परिषद के जिला अध्यक्ष सुनील कटारा के नेतृत्व में सेमनरी रोड पर यात्रा का स्वागत किया गया। शौर्य दिवस समिति के अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह ठाकुर, राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह चौहान, तहसील अध्यक्ष जीवन सिंह ठाकुर शोभाखेड़ी, संयोजक मानसिंह ठाकुर इलाई सहित समिति और समाज के सदस्यों, वरिष्ठों का साफा बांधकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में गुलाब बाई ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य कमलसिंह चौहान, पूर्व जनपद अध्यक्ष बापूलाल मालवीय, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष महेश मेवाड़ा मूंदीखेड़ी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष जाहिद गुड्डु, घनश्याम जांगड़ा, मुकेश मालवीय, अरविंद मेवाड़ा मंडलम अध्यक्ष, पार्षद मेहमूद अंसारी, तोसीफ बाबा, प्रेम पटारिया, फेजउद्दीन, बंशीलाल बाम्बे, अखिलेश राजपूत, निखिल कुश्वाहा, शेख शावेज, आशिक मंसूरी, कृपालसिंह तोमर मौजूद रहे।

आष्टा में युवक ने दराते से किया हमला, 4 घायल

सिगरेट विवाद में नशे में धुत आरोपी ने किया वार, सभी सीहोर रेफर

आष्टा. आष्टा में शुक्रवार रात कन्नौज रोड स्थित साई कॉलोनी के पास शख्स ने दराते से हमला कर चार लोगों को घायल कर दिया। सभी घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल सीहोर रेफर किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना शुक्रवार रात करीब 11:30 बजे हुई। आकाश (24) निवासी सेमिनरी रोड, आष्टा, मेवाड़ा की दुकान पर सिगरेट लेने गया था। पैसों को लेकर दुकानदार से उसका विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आकाश घर से दराता लेकर आया और वहां मौजूद लोगों पर हमला कर दिया। हमलावर आकाश शराब के नशे में था। जब लोगों ने उसे पकड़ने की कोशिश की, तो उसने अन्य लोगों के साथ भी मारपीट की, जिससे कुल चार लोग घायल हो गए। घायलों में राजा पिता महफूज, कृष्णा मेवाड़ा और बादल सिंह शामिल हैं। सभी घायलों को सिविल अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल सीहोर रेफर किया गया है।

आष्टा थाना प्रभारी गिरीश दुबे ने बताया कि कन्नौज रोड साई कॉलोनी के पास दराते से हमला और चार लोगों के घायल होने की सूचना मिली है। पुलिस आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है और मामले की जांच जारी है।

राम का चरित्र लोकतांत्रिक था, वह इस देश की आत्मा

आष्टा. पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार ने कहा कि राम इस देश की आत्मा हैं। उनका चरित्र इस देश का चरित्र है। उन्होंने कहा कि जैसे हमारा राष्ट्रीय ध्वज शांति, शौर्य, समृद्धि के साथ निरंतर प्रगतिशील रहने का संदेश देता है। वैसे ही भगवान राम के जीवन और चरित्र से विनयशीलता, पराक्रम, लोकतांत्रिक मर्यादाओं के पालन की शिक्षा मिलती है। उन्होंने कहा कि राम भारत की आत्मा हैं। उनका जन्मोत्सव ऊर्जा, आस्था दे रहा है। परमार ने ये बातें सैंधव क्षत्रिय युवा राजपूत समाज की ओर से राम नवमी पर निकाली गई शौर्य यात्रा के दौरान कहीं।

उन्होंने साथियों के साथ रथ में विराजित श्रीराम, सीता, लक्ष्मण, बाल हनुमान के स्वरूप की आरती की। पूजन किया। शौर्य यात्रा समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह पटेल, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह ठाकुर, बलबीर सिंह ठाकुर, राहुल सिंह ठाकुर, कोषाध्यक्ष दौलत सिंह ठाकुर, सहकोषाध्यक्ष अर्जुन सिंह ठाकुर, सचिव अर्जुन सिंह ठाकुर, मीडिया प्रभारी तेज सिंह ठाकुर, बहादुर सिंह ठाकुर ने स्वागत किया।

चर्चित अवैध शराब विक्रेता सुरेन्द्र लुटेरे 01 वर्ष के लिये नर्मदापुरम एवं सीमावर्ती जिले से निष्काशित

नर्मदापुरम। पुलिस अधीक्षक जिला नर्मदापुरम साई कृष्णा एस. थोटा के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) नर्मदापुरम जितेंद्र पाठक के निर्देशन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा लगातार अवैध शराब विक्रेताओ के विरुद्ध कार्यवाही कर रही है।

ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम कार्यालय से अनावेदक सुरेन्द्र लुटारे पिता विष्णु लुटारे उम्र 45 वर्ष नि0 शक्ति मंदिर के पास कोठी बाजार नर्मदापुरम के आपराधिक गतिविधियों अवैध शराब का एवं भंडारण के 12 प्रकरण, जुआ 01 एवं मारपीट 05, छेड़छाड़- 01 प्रकरण मे लिप्त होने से जिलाबदर प्रकरण जिला दंडाधिकारी जिला नर्मदापुरम की न्यायालय मे जिलाबदर प्रकरण प्रस्तुत किया गया था।उक्त प्रकरण वर्तमान मे जिला दंडाधिकारी जिला नर्मदापुरम द्वारा आदेश पृष्ठ क्रमांक/901रीडर/2026 नर्मदापुरम दिनांक 23द्व03द्व26 के माध्यम से आदेश जारी कर अनावेदक सुरेन्द्र लुटारे पिता विष्णु लुटारे उम्र 45 वर्ष नि.शक्ति मंदिर के पास कोठी बाजार नर्मदापुरम को 01 वर्ष तक की अवधि तक के लिए नर्मदापुरम एवं उससे लगे सीमावर्ती जिले हरदा, बेतुल,छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सीहोर रायसेन की राजस्व सीमा से 01 वर्ष के लिये निष्काषित किया जाने संबन्धित आदेश पारित किया गया है। उक्त आदेश तामील कराया गया है। यदि उक्त अवधि मे अनावेदक द्वारा जिला बदर आदेश का उल्लंघन किया जाता है, तो अनावेदक के विरुद्ध प्रचलित कानून के तहत कार्यवाही की जावेगी। आगामी समय मे आपराधिक गतिविधियों मे लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है।

खिलचीपुर में श्रीजी मेला जमीन का सोमवार को सीमांकन

राजगढ़. राजगढ़ जिले के खिलचीपुर में श्रीजी मेला मैदान और आसपास की शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की तैयारी तेज हो गई है। तहसील प्रशासन ने जमीन पर अतिक्रमण करने वाले करीब 10 लोगों को नोटिस जारी किए हैं।

तहसीलदार कार्यालय की ओर से मुबारिक पिता चांद खा, अब्दुल हमीद पिता सिकंदर खा, भंवरलाल पिता गंगाराम दांगी, मनीष पिता बाबूलाल गुप्ता, पुरुषोत्तम पिता कैलाशचंद गुप्ता, महेंद्र कुमार पिता किशनलाल गुप्ता, विष्णु पिता शंकरलाल दांगी, कैलाशचंद पिता जगन्नाथ कुम्हार, कलावती पति सिद्धूलाल लौहार और सुगनबाई नट को ये नोटिस जारी किए गए हैं।

प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार को श्रीजी मेला जमीन और आसपास की शासकीय भूमि का सीमांकन किया जाएगा।

संसद में पत्रकारों की सुरक्षा का मुद्दा

सांसद दर्शन सिंह बोले कलम में सुरक्षित होगी तो लोकतंत्र मजबूत होगा

नर्मदापुरम. नर्नमदापुरम-नरसिंहपुर सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने संसद के शून्य काल के दौरान भारतीय लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिता से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाया। उन्होंने पत्रकारों की सुरक्षा, सामाजिक-आर्थिक सुदृढ़ीकरण तथा पत्रकारिता के नाम पर हो रहे दुरुपयोग, दोनों पहलुओं पर संतुलित और ठोस नीति की आवश्यकता पर जोर दिया।

सांसद चौधरी ने कहा कि पत्रकारिता केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है, जो शासन और जनता के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करती है। यह वहीं शक्ति है जो सत्ता को जवाबदेह बनाती है और समाज को जागरूक करती है।

उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जहाँ विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को संस्थागत सुरक्षा और सुविधाएँ प्राप्त हैं, वहीं पत्रकारों को अपेक्षित संरक्षण नहीं मिल पा रहा है। पत्रकार विशेषकर फील्ड में कार्यरत अनेक जोखिमों और असुरक्षाओं का सामना कर रहे हैं।

इसी संदर्भ में उन्होंने सरकार से सवाल किया कि क्या पत्रकारों की सुरक्षा एवं कल्याण के लिए एक व्यापक 'पत्रकार सुरक्षा एवं कल्याण नीति' बनाने पर विचार किया जा रहा है।

सांसद चौधरी ने अपने वक्तव्य में प्रभावी शब्दों में कहा 'जब कलम सुरक्षित होगी, तब ही सच निर्भीक होकर सामने आएगा; और जब सच सामने आएगा, तभी लोकतंत्र और मजबूत होगा।' इसके साथ ही उन्होंने पत्रकारिता की आड़ में हो रही ब्लैकमेलिंग और अनैतिक गतिविधियों पर भी चिंता जताई। उन्होंने सरकार से कहा कि राज्यों के साथ समन्वय स्थापित कर एक पारदर्शी, जवाबदेह और सख्त तंत्र विकसित किया जाए, जिससे पत्रकारिता की गरिमा बनी रहे।

चलते ट्रेलर में शीशा साफ करना पड़ा भारी

राजगढ़. राजगढ़ जिले के खिलचीपुर में नाहरदा मंदिर के समीप हाईवे-52 पर शुक्रवार देर रात एक हादसा हुआ। गेहूं बोने वाली सुपर सीटर मशीनें लेकर जा रहा एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 10 फीट नीचे पलट गया। इस दुर्घटना में चालक घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार, पंजाब से होशंगाबाद जा रहा ट्रेलर चला रहा चालक हरजिंदर सिंह (45), निवासी रूपनगर पंजाब, चलते वाहन में सामने का शीशा साफ कर रहा था। इसी दौरान ट्रेलर का संतुलन बिगड़ गया।

नियंत्रित ट्रेलर सड़क किनारे लगे छोटे पेड़ों और बिजली के तारों को तोड़ते हुए हाईवे से नीचे खाई में जा गिरा। हादसे में चालक हरजिंदर सिंह के पैर में चोट लगने से सूजन आ गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। सूचना मिलने पर खिलचीपुर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। ट्रेलर खाई में पलट जाने के कारण उसे निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

राजगढ़ में भूकंप पूर्व तैयारी संबंधी प्रशिक्षण का आयोजन

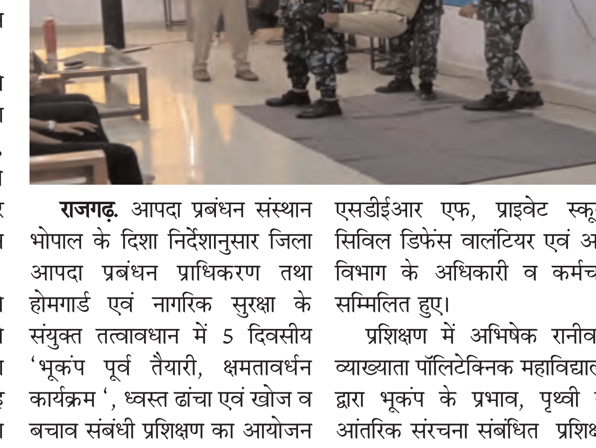

राजगढ़. आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल के दिशा निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा के संयुक्त तत्वावधान में 5 दिवसीय 'भूकंप पूर्व तैयारी, क्षमतावर्धन कार्यक्रम ', ध्वस्त ढांचा एवं खोज व बचाव संबंधी प्रशिक्षण का आयोजन पॉलिटेक्निक कॉलेज राजगढ़ में किया गया। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशन में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस में भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमता वर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय, पुलिस, शिक्षा विभाग, चिकित्सा विभाग, होमगार्ड, एसडीईआर एफ, प्राइवेट स्कूल, सिविल डिफेंस वालंटियर एवं अन्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी सम्मिलित हुए।

प्रशिक्षण में अभिषेक रानीवाल व्याख्याता पॉलिटेक्निक महाविद्यालय द्वारा भूकंप के प्रभाव, पृथ्वी की आंतरिक संरचना संबंधित प्रशिक्षण पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई एवं सुनील कुमार अहीरवाल पीसी राजगढ़ द्वारा एसडीईआरएफ टीम के साथ इमरजेंसी लिफ्टिंग एंड मूविंग तकनीक का डेमो दिया गया। उक्त कार्यशाला जिला सेनानी होमगार्ड जिला राजगढ़ के मार्गदर्शन में संचालित किया गया।

23 साल में कर्मचारियों का 15,345 करोड़ डीए अटका

27 महीने का डीए भी रोका; पेंशनर्स को भी नुकसान

भोपाल। मध्यप्रदेश में पिछले 23 सालों में कर्मचारियों को महंगाई भत्ते (डीए) के रूप में 15,345 करोड़ रुपए का नुकसान होने का दावा सामने आया है। आरोप है कि कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों की सरकारों ने केंद्र सरकार की तारीख के अनुसार महंगाई भत्ता नहीं दिया, जिससे लाखों कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। इस मुद्दे में पूर्व मुख्यमंत्रियों दिग्विजय सिंह, कमल नाथ, उमा भारती, बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल को लेकर सवाल उठाए गए हैं। मामला सिर्फ कर्मचारियों तक सीमित नहीं है। पेंशनर्स और परिवार पेंशनधारकों को भी समय पर महंगाई राहत नहीं मिल रही। वर्तमान में मोहन यादव सरकार पर भी आरोप है कि पेंशनर्स को जनवरी 2026 से राहत दी गई, जबकि यह जुलाई 2025 से मिलनी चाहिए थी। बताया गया है कि पांचवें और छठवें वेतनमान के दौरान करीब 11,970 करोड़ रुपए का महंगाई भत्ता समय पर नहीं दिया गया। हालांकि भत्ता बाद में दिया गया, लेकिन केंद्र की तय तारीख से देरी के कारण कर्मचारियों को एरियर का पूरा लाभ नहीं मिल पाया।

सातवें वेतनमान में 27 महीने का डीए रोका

सातवें वेतनमान में जुलाई 2019 से सितंबर 2021 तक 27 महीने का 5 प्रतिशतमहंगाई भत्ता नहीं दिया गया। इस अवधि में राज्य में पहले कमल नाथ की सरकार थी, बाद में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा सरकार आई, लेकिन भत्ता जारी नहीं किया गया। इससे कर्मचारियों को करीब 3,375 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

दिग्विजय सरकार में 2 साल डीए पूरी तरह बंद

जनवरी 2002 से दिसंबर 2003 तक, जब दिग्विजय सिंह मुख्यमंत्री थे, उस दौरान करीब 24 महीने तक महंगाई भत्ता नहीं दिया गया। इससे कर्मचारियों को लगभग 1,260 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

भाजपा सरकार में भी देरी से मिला लाभ

दिसंबर 2003 के बाद उमा भारती, बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में डीए दिया गया, लेकिन केंद्र की दर और तारीख से नहीं। इससे छठवें वेतनमान में करीब 10,710 करोड़ रुपए का नुकसान बताया गया है।

कर्मचारी संगठन का आरोप

मप्र तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री उमाशंकर तिवारी के मुताबिक, कांग्रेस और भाजपा–दोनों ही सरकारों ने केंद्र के बराबर समय पर डीए नहीं दिया। इसका सीधा असर कर्मचारियों की जेब पर पड़ा है और लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों के लिए ब्रिज कोर्स

नई शैक्षणिक सत्र में नई व्यवस्था

भोपाल। विद्यार्थियों में सामाजिक और मानवीय समझ को विकसित करने और उनकी बुनियादी शैक्षणिक गतिविधि में सुधार करने के लिए कक्षा 9वीं में ब्रिज कोर्स का संचालन शुरू होने जा रहा है। प्रथम चरण में शिक्षकों को भोपाल में मास्टर ट्रेनर की ट्रेनिंग दी जा चुकी है। लोक शिक्षण संचालनालय आयुक्त शिल्पा गुप्ता और अपर संचालक मनीष वर्मा का कहना है कि विद्यार्थी जीवन में नया सीखने की ललक तो होती ही है, उन्हें पढ़ाई के साथ विश्लेषणात्मक तथ्यों से जोड़ा जाना बेहद आवश्यक है। इसीलिए कक्षा 9वीं में ब्रिज कोर्स की शुरूआत इस वर्ष की जा रही है, ताकि उनकी समझ विकसित हो सके, तार्किक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को आत्मसात कर सकें।

शिक्षण पद्धति में नवाचार

इस कोर्स में शिक्षक केवल पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगे। चर्चा, वाद-विवाद, भूमिका निर्वाह और परियोजना कार्य जैसी विधियों के माध्यम से विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इससे शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया अधिक जीवंत, रोचक और प्रभावी बनेगी। तीन चरणों में मूल्यांकन किया जाएगा बेसलाइन टेस्ट-1 अप्रैल से विद्यालय खुलते ही मिडलाइन टेस्ट-28 से 30 जून (ग्रीष्मावकाश के बाद) टेस्ट- जुलाई में इन परीक्षणों के प्राप्त अंकों का 50 फीसदी त्रैमासिक परीक्षा में जोड़ा जाएगा। सभी परिणामों की प्रविष्टि विमर्श पोर्टल पर की जाएगी। यह एडलाइन टेस्ट जुलाई में होंगे।

सतत मॉनीटरिंग की व्यवस्था

जिला शिक्षा अधिकारी एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा ब्रिज कोर्स की नियमित मॉनीटरिंग की जाएगी। ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से विद्यालयों का निरीक्षण कर शिक्षण कार्य, उपस्थिति, अध्ययन सामग्री एवं विद्यार्थियों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

बिजली का बिल बढने से व्यापार और उद्योगों पर पड़ेगा प्रभाव, बढ़ेगी महंगाई

घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ औद्योगिक बिजली भी 50 पैसे प्रति यूनिट महंगी होगी

भोपाल। 1 अप्रैल से बिजली की दरों में वृद्धि को लेकर कांग्रेस ने चिंता व्यक्त की है कि इससे प्रदेश का व्यापार और औद्योगिक क्षेत्र भी प्रभावित होगा, जिसके परिणाम स्वरूप लागत बढ़ेगी और महंगाई बढने के आसार हैं। नियामक आयोग ने व्यापार और औद्योगिक क्षेत्र में कमर्शियल की दरों में 50 पैसे प्रति यूनिट का इजाफा कर दिया है, जो इस बार से लागू किया जा रहा है। प्रदेश में एक बार फिर बिजली महंगी करने की तैयारी पूरी हो गई है। इस बार नई दरों के हिसाब से बिजली बिल आएगा। विद्युत नियामक आयोग ने घरेलू बिजली कनेक्शन पर 4.98 प्रतिशत की वृद्धि कर दी है, जिससे उपभोक्ताओं पर भार आने की पूरी संभावना है। वहीं दूसरी ओर प्रदेश के व्यापार और औद्योगिक क्षेत्रों में भी बिजली दर महंगी की जा रही है। मध्यप्रदेश कांग्रेस उद्योग व व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अरविंद बागड़ी ने कहा कि प्रदेश में आम जनता पर इससे महंगाई का बोझ बढ़ेगा। सरकार घरेलू उपभोक्ताओं के बिलों में 4.98 प्रतिशत की वृद्धि तो कर रही है, वहीं औद्योगिक खपत के लिए दरें 5 रुपए 90 पैसे और 6 रुपए 10 पैसे से बढ़ाकर 6 रुपए 40 पैसे और 6 रुपए 60 पैसे प्रति यूनिट हो गई है। यानी 50 पैसे प्रति यूनिट का इजाफा

किया जा रहा है। इससे उत्पादन लागत बढ़ेगी, जिससे तैयार माल महंगा हो सकता है और छोटे उद्योग प्रभावित होंगे। इससे व्यापरिक क्षेत्र में 151 यूनिट से ज्यादा खपत करने वाले व्यावसायिक उपभोक्ताओं को फिक्स्ड चार्ज (28 रुपए से बढ़ाकर 30 रुपए प्रति 1 किलोवॉट) में बढ़ोतरी से महंगा बिल मिलेगा। व्यापारी और औद्योगिक क्षेत्र के लोग भी बिजली दरें बढ़ाने के फैसले का विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस उनके साथ है। उन्होंने कहा कि बिजली बिल वृद्धि व्यवसाय की कमर तोड़ देगी। कई उद्योग बंद हो सकते हैं। सरकार उद्योगों के हित में तत्काल विद्युत दरों में हुई वृद्धि को वापस ले, नहीं तो उद्योगों का चलना मुश्किल हो जाएगा और बेरोजगारी बढ़ेगी।

1 अप्रैल से महंगा होगा टोल

5-10 प्रतिशत तक बढ़ेंगे दाम

भोपाल। वाहन चालकों के लिए 1 अप्रैल से सफर महंगा होने जा रहा है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा टोल टैक्स में 5 से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की जा रही है, जो हर साल की तरह इस बार भी लागू होगी। इस बढ़ोतरी का सीधा असर जबलपुर से नागपुर, रायपुर, प्रयागराज और भोपाल जैसे प्रमुख शहरों की यात्रा पर पड़ेगा। वाहन चालकों को अब हर टोल प्लाजा पर ज्यादा राशि चुकानी होगी। जानकारी के अनुसार, जबलपुर के आसपास स्थित टोल प्लाजा पर कार चालकों को 5 से 10 रुपए तक अतिरिक्त शुल्क देना पड़ सकता है। वहीं फास्टेग के जरिए मिलने वाले करीब 3 हजार रुपए के एनुअल पास में भी लगभग 75 रुपए तक की बढ़ोतरी की संभावना है। टोल टैक्स की दरें होलसेल प्राइस इंडेक्स के आधार पर तय की जाती हैं। हर साल के अंत

में इंडेक्स का मूल्यांकन कर सडक परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय नए रेट जारी करता है। टोल की राशि सडक की लंबाई और उस पर बने इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे फ्लाईओवर, अंडरपास, टनल आदि के आधार पर भी तय होती है। जहां ज्यादा सुविधाएं होती हैं, वहां टोल भी अधिक लगता है। लोगों में नाराजगी वाहन चालकों का कहना है कि टोल बढ़ाना समझ में आता है, लेकिन सडकों का मेंटेनेंस भी उतना ही जरूरी है। भोपाल रोड की हालत खराब बताई जा रही है, जबकि बरेला के आगे अभी भी काम जारी है। इसके बावजूद पूरा टोल वसूला जा रहा है, जिससे लोगों में नाराजगी है। जबलपुर से दमोह, सागर अभी हाईवे घोषित है, लेकिन बना नहीं है, जिसके चलते यह अभी स्टेट हाइवे की श्रेणी में आता है। इसी तरह से जबलपुर से पाटन, तेंदूखेड़ा जबलपुर से गोटेगांव में स्टेट हाईवे को टोल है। वाहन मालिकों का कहना है कि टोल टैक्स बढ़ाए जाना अच्छा है, पर सडक का मेंटेनेंस भी जरुरी होता है। उनका कहना है कि सडक को साल भर मेनटेन नहीं किया जाता है। भोपाल रोड अभी भी खराब है।

छिंदवाड़ा हादसा: मृतकों के परिजनों को कांग्रेस देगी 50-50 हजार

सिंघार बोले-ईएमआई मॉडल पर चल रहा मप्र, हादसों में नहीं एक जैसी नीति

कहीं 1 लाख, कहीं 2 लाख, तो कहीं 4 या 5 लाख दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को एक स्पष्ट और समान मुआवजा नीति बनानी चाहिए, ताकि सभी पीड़ित परिवारों को बराबर राहत मिल सके।

भोपाल। छिंदवाड़ा बस हादसे के बाद मुआवजा नीति को लेकर सियासत तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार पर निशाना साधते हुए पूछा कि अलग-अलग हादसों में मृतकों के परिजनों को अलग-अलग मुआवजा क्यों दिया जाता है। उन्होंने कांग्रेस विधायक दल की ओर से छिंदवाड़ा हादसे के मृतकों के परिवारों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। सिंघार ने कहा कि प्रदेश में मुआवजे को लेकर कोई एक समान नीति नहीं है। कहीं 1 लाख, कहीं 2 लाख, तो कहीं 4 या 5 लाख दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को एक स्पष्ट और समान मुआवजा नीति बनानी चाहिए, ताकि सभी पीड़ित परिवारों को बराबर राहत मिल सके। सिंगल विंडो की मांग नेता प्रतिपक्ष ने मांग की कि मृतकों के परिजनों को 24 घंटे के भीतर सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए मुआवजा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि उद्योगपतियों को तो सिंगल विंडो के तहत सारी सुविधाएं आसानी से मिल जाती हैं, लेकिन गरीब परिवारों को मुआवजे के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। छिंदवाड़ा हादसे पर आरोप सिंघार ने छिंदवाड़ा हादसे को लेकर प्रशासन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की सभा में भीड़ जुटाने के लिए दबाव बनाया गया था। उनके मुताबिक, जनपद पंचायत के सीईओ द्वारा लोगों को कार्यक्रम में नहीं आने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी, और इसी जल्दबाजी में यह हादसा हुआ, जिसमें 10 लोगों की मौत और 40 लोग घायल हुए। कफ सिरप कांड का जिक्र सिंघार ने कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामले का जिक्र करते हुए कहा कि एक पिता ने अपने बच्चे के इलाज के लिए ऑटो तक बेच दिया, फिर भी उसे समय पर इलाज नहीं मिल सका। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार केवल तब सक्रिय क्यों होती है, जब विपक्ष मुद्दा उठाता है। दुर्घटनाओं के आंकड़ों से हमला सिंघार ने कहा कि पिछले 5 वर्षों में प्रदेश में 65 हजार से ज्यादा सडक हादसे हुए हैं। सिर्फ 2024 में 14,791 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं के मामले में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है, जो गंभीर स्थिति को दशार्ता है। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार उन कामों में ज्यादा रुचि लेती है, जहां टेंडर और कमीशन जुड़ा होता है, जबकि आम लोगों से जुड़े मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया जाता।

अगले 3 दिन प्री मॉनसून जैसा होगा नजारा

ईरान में सक्रिय हुआ वेस्टर्न डिस्टर्बेंस मप्र में कराएगा भारी बारिश

भोपाल। मध्यप्रदेश में इन दिनों मौसम के दो अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। एक ओर मार्च के आखिरी सप्ताह में भीषण गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है, तो दूसरी ओर मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों में प्री-मॉनसून जैसी बारिश की चेतावनी दी है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार ट्रफ लाइन, ईरान के ऊपर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) और चक्रवाती हवाओं के असर से प्रदेश के कई हिस्सों में तेज आंधी, गरज-चमक और हल्की बारिश की स्थिति बन सकती है। ऐसे में दिन में तेज गर्मी रहेगी, लेकिन शाम के बाद मौसम अचानक बदल सकता है। प्रदेश में गर्मी के तेवर लगातार तीखे होते जा रहे हैं, लेकिन जल्द ही इससे राहत मिलने वाली है। शुक्रवार शाम को जारी आंकड़ों के अनुसार नर्मदापुरम प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा खजुराहो और रतलाम में तापमान क्रमशः 39.6 और 39.5 डिग्री तक पहुंच गया, जो सामान्य से 2 से 3 डिग्री अधिक है। इसी तरह खंडवा और मंडला में भी पारा 39 डिग्री के आसपास रहा। वहीं भोपाल, इंदौर, ग्वालियर

और जबलपुर जैसे बड़े शहरों में तापमान 36 से 38.4 डिग्री के बीच दर्ज किया गया। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण दिन के समय मध्यप्रदेश में लोगों को लू जैसा एहसास हो रहा है। अगले 24 घंटों में इससे राहत मिलेगी।

राजस्थान से एमपी तक बनी ट्रफ लाइन

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक दिव्या ई सुरेंद्रन ने बताया कि मौसम में बदलाव के पीछे एक बड़ा कारण ट्रफ लाइन है। वर्तमान में उत्तर-पश्चिमी राजस्थान से लेकर दक्षिण-पश्चिम मध्यप्रदेश तक हवा का एक कम दबाव वाला क्षेत्र बना हुआ है। यह जमीन से करीब डेढ़ किलोमीटर की ऊंचाई पर सक्रिय है। यह सिस्टम अरब सागर और आसपास के इलाकों से नमी को अपनी ओर खींचकर मध्य प्रदेश तक ला रहा है। इसके प्रभाव से बादलों की गतिविधि बढ़ रही है और कई जिलों में आंधी और गरज-चमक की संभावना बन रही है।

तेजी से बदलेगा मौसम

दिव्या ई सुरेंद्रन के अनुसार कि सिस्टम में एक नया पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय हो गया है। यह सिस्टम ईरान और उसके आसपास के क्षेत्रों में बना है और धीरे-धीरे भारत की ओर बढ़ रहा है। यह समुद्र तल से करीब 5.8 से 7.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर सक्रिय है। इसके प्रभाव से उत्तर और मध्य भारत के मौसम में अगले दो से तीन दिनों में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार इस सिस्टम के कारण बादल तेजी से सक्रिय होंगे और कई स्थानों पर तेज हवाओं के साथ बारिश की स्थिति बन सकती है।

चक्रवातीय हवाओं और जेट स्ट्रीम का भी असर

मध्य राजस्थान और आसपास के क्षेत्रों में चक्रवातीय हवाओं का घेरा भी बना हुआ है। यह सिस्टम वातावरण में अस्थिरता पैदा कर रहा है, जिससे गरज-चमक और धूल भरी आंधी की संभावना बढ़ रही है। इसके अलावा पूर्वी भारत के ऊपर लगभग 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर तेज रफ्तार जेट स्ट्रीम बह रही है। इन बर्फीली हवाओं की गति करीब 185 किलोमीटर प्रति घंटा बताई जा रही है। यह ऊपरी हवा का संतुलन बदलकर मौसम को प्रभावित कर रही है। आईएमडी के मुताबिक इन सभी मौसमी सिस्टम के चलते मध्य प्रदेश में यलो अलर्ट जारी किया गया।

अब तक न बिक पाई 871 दुकानों को पिछले साल से भी कम कीमत पर बेचा जाएगा

शराब दुकानों की बढ़ी कीमत पर सरकार का यू टर्न...

भोपाल। प्रदेश में शराब दुकानों की कीमतों को 20 प्रतिशत बढ़ाए जाने का फैसला सरकार के गले की हड्डी बन चुका है, जिसके चलते अब सरकार इस पर यू टर्न लेती नजर आ रही है। नीलामी के लिए अब सिर्फ 4 दिन बचे हैं और अब भी प्रदेश की 871 दुकानें नीलाम नहीं हो पाई हैं। ये कुल दुकानों का करीब 25 प्रतिशत हैं। इसे देखते हुए सरकार ने मजबूरी में इन दुकानों को पिछले साल से भी कम कीमत पर नीलाम करने का फैसला लिया है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश सरकार ने नई आबकारी नीति 2026-27 के तहत प्रदेश की कुल 3553 दुकानों की कीमत को 20 प्रतिशत बढ़ाने का फैसला लिया था। इसके तहत 27 फरवरी से दुकानों की नीलामी शुरू की गई। इस एक माह में आठ चरणों में नीलामी के बाद भी प्रदेश की 871 दुकानें अब तक नीलाम नहीं हो पाई हैं। इसे

देखते हुए सरकार ने अब इन दुकानों की नीलामी के लिए तय की गई कीमत पर 20 प्रतिशत कम की बोली लगाने का विकल्प भी खोल दिया है। यानी अब सरकार इन दुकानों को पिछले साल से भी कम कीमत पर बेचने को तैयार हो गई है। इसके तहत आज से नीलामी के 9वें चरण में घटी हुई कीमतों के साथ टेंडर भरे जा सकते हैं, जिन्हें कल खोला जाएगा।

पिछले साल से भी 4 प्रतिशत कम में बिकेंगी दुकानें

सरकार के इस यू टर्न को ऐसे समझें कि एक शराब दुकान की कीमत पिछले साल 100 रुपए थी, जिसे 20 प्रतिशत बढ़ाने के बाद इस साल उसकी कीमत 120 रुपए तय की गई थी। अब इस पर 20 प्रतिशत कम किए गए हैं। यानी 120 रुपए पर 20 प्रतिशत कम करने पर नई कीमत 96 रुपए हो चुकी है, जो पिछले साल जिस कीमत पर दुकान बिकी थी उससे भी 4 प्रतिशत कम है। यानी जहां सरकार को इन दुकानों पर पिछले साल से ज्यादा कमाई की उम्मीद थी, वहीं अब पिछले साल की तुलना में नुकसान पर भी सरकार दुकानें नीलाम करने को तैयार है।

पिछले साल 35 प्रतिशत तक कम हुई थी कीमतें

ऐसा नहीं है कि नीलामी में सिर्फ इस बार ही सरकार को कम कीमत मिल रही है। पिछले साल भी प्रदेश की 25 से 30 प्रतिशत दुकानों को सरकार ने आखिरी समय तक खरीदार न मिलने पर 35 प्रतिशत तक कम कीमत पर नीलाम किया था। इंदौर में भी ऐसी कुछ दुकानें नीलाम हुई थीं। आखिरी समय में तो सरकार ने खुली नीलामी शुरू कर दी थी, जिस पर व्यापारी अपने हिसाब से कोई भी कीमत की बोली लगा सकते थे। इस बार भी आखिरी के दो दिनों में ऐसी स्थिति बन सकती है।

|| संपादकीय ||

मोदी की मेहनत पर चालाकों की चांदी

देश की अन्तर्राष्ट्रीय छवि निरंतर सकारात्मक दिशा में नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है। विश्व समुदाय भारत को एक सशक्त राष्ट्र मानने लगा है। आर्थिक मोर्चे से लेकर कूटनीति के मामलों में विगत कुछ सालों में सफलताओं का अम्बार लग गया है। विसम परिस्थितियों में विदेशों से भारतवासियों की सकुशल वापसी जैसे अनेक उदाहरण सामने आये हैं। शत्रुता रखने वाले अनेक पडोसियों देशों के नागरिकों ने भी तिरंगे को कवच बनाकर अपने जीवन को सुरक्षित किया था। वर्तमान युद्ध की भीषण विभीषिका सामने है। पैट्रोलियम पदार्थों की विश्व व्यापी समस्या है।

ऐसे में भी भारत के जहाज दुर्गम क्षेत्रों से निकल कर आ रहे हैं। समूचा संसार इस अघोषित तीसरे विश्व की विकराल होती स्थिति में भारत की ओर देख रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी विदेश टीम, सुरक्षा टीम और बाह्य व्यवस्था टीम पूरी तरह से सफल ही रही है परन्तु देश के अन्दर के हालातों को नियंत्रण करने वाली कथित टीम के हालिया कृत्यों से समूचा देश आहत है। अनेक प्रदेशों की सरकारों को रिमोट से चन्द चालाक लोग चला रहे हैं। उन राज्यों के मुख्यमंत्री का पदीय ज्ञान तो प्रारम्भ से ही प्रश्ववाचक चिन्हों के घेर में रहा है। महात्वपूर्ण विभागों पर नियंत्रण रखने वाले उत्तरदायी जनप्रतिनिधियों की योग्यता, व्यवहारिक अनुभव और क्षमतायें शुरू से ही कटघरे में रहीं हैं। उन राज्यों की लालफीताशाही के किस्से तो तानाशाही के अनेक दृष्टान्तों को भी शर्माने पर मजबूर कर देते हैं।

भ्रष्टाचार के अनेक भूमिगत उदाहरण न्याय के मंदिर में पहुंचने से पहले ही मौत के मुंह में पहुंचा दिये जाते हैं। कल्याणकारी योजनाओं के नाम पर ईमानदार करदाताओं के खून की कमाई को मुफ्तखोरों पर लुटाया जा रहा है। अकर्मण्यता की नई पाठशालायें बनने वाली योजनाओं से देश की नींव निरंतर खोखली होती जा रही है तिस पर सम्प्रदायगत, जातिगत, वर्गगत, भाषागत, क्षेत्रगत जैसे संघर्षों की पटकथा लिखने वाले कानूनों, नियमों और व्यवस्था का तूफानी दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। चौराहों से लेकर चौपालों तक बारूदी सुरंगें बिछाई जा चुकीं हैं जिन्हें केवल और केवल चिन्गारी दिखाने की जरूरत है। कभी पिछडे होने का राग अलाप कर एकता के संगीत को विकृत किया गया तो कभी अयोग्य पात्रों के हाथों में व्यवस्था थमाकर क्षमताओं को दीमक की भेंट चढा दिया गया। कभी शोषण की मनगढन्त विवेचना करके विशेषाधिकार दिया गया तो कभी एकतरफा कानून को न्यायसंगत बताया गया। सम्प्रदायों को लडाने वाले कानून को संविधान का अंग बनाकर थोपने वालों ने अब जातिगत वैमनुष्यता फैलाने का भी ठेका ले लिया है।

एक वर्ग को विकल्पविहीन बनाकर स्वयं ठेकेदार बनने वाले लोग अब मोदी की मेहनत पर चालाकी से चांदी करने में जुट गये हैं। हालात तो यहां तक पहुंच गये कि हरे और भगवां के बाद अब नीले और भगवां को भी विरोधी खेमों में खडा कर दिया गया है ताकि बांटो और राज्य करो की आक्रान्ता नीति एक बार फिर सफलता का परिणाम दे सके। मीर जाफर, मीर कासिम और जयचन्दों की जमातें पर्दे के पीछे से अपने आकाओं की कदमपोशी करने में जुटीं हैं। यह स्लीपर सेल अपनी ही डाली को काटने में जुटे हैं। हालात तो यहां तक पहुंच गये हैं कि इन देशी गद्दारों को अपने आकाओं के विदेशी लाडलों की भी चमचागिरी करने के लिए बाध्य होना पड रहा है। विलायती शिक्षा लेकर लौटने वाले इन लाडलों को सोने के पालने में बैठकर चांदी की चम्मच से चटनी वालों की एक लम्बी फौज परिवार के दबदबे के कारण विरासत में मिल जाती है। आंकडे गवाह हैं कि देश के 54 प्रतिशत जन्मजात नेताओं को लाडले विदेशों में अध्ययन कर रहे हैं।

सात समुन्दर पार की संस्कृति, संस्कार और शिक्षा में रचे बसे इन नवनिहालों को सत्ता, सुख और संसाधन का अम्बार पहली सांस के साथ ही मिल जाता है। संघर्षपूर्ण जीवन की कठिनाइयों से व्यवहारिक वास्ता न होने के कारण उन्हें हमेशा ही सावन का हरा ही सूझता है। देश के आंतरिक हालातों की समीक्षा से प्राप्त होने वाले परिणामों को सुखद कदापि नहीं कहा जा सकता। देश के प्रधानमंत्री की कर्मठता, कुशलता और कार्यपद्धति पर समूचा देश गर्व कर सकता है परन्तु उनकी टीम के अनेक नायकों पर भ्रष्टाचार, तानाशाही और समाज विरोधी कृत्य करने के अनगिनत आरोप लग रहे हैं। अनावश्यक तुष्टीकरण, मुफ्तखोरी की व्यवस्था और विभाजनकारी नियमों के इस सैलाब को रोके बिना राष्ट्रीय एकता की कल्पना करना भी एक बेबकूफकाना बचपना ही होगा।

ईमानदाराना बात तो यह है कि समाज में सभी विभाजनकारी बेडियां पूरी तरह से टूट चुकीं थी परन्तु चन्द मंचखोर, पदखोर, अहंकारखोर लोगों ने लालच, लोभ और लाभ का गुड फैंककर मुफ्तखोरों को चीटियां बना दिया है। ऐसे में यदि देश का आम आवाम स्वविवेक के सहारे चिन्तन करे तो उसे आने वाले काले काल के ठहाके स्पष्ट सुनाई देंगे। समाज के अन्तिम छोर पर बैठे व्यक्ति को भी अपने चिन्तन को नई धार देना पडेगी, तभी देश, देशवासी और देश का सम्मान स्थापित रह सकेगा। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

भारत चीन के आर्थिक संबंध 'दोस्ती' है या 'दबाव'? क्या ड्रैगन के चंगुल में फंसता चला जा रहा है हाथी?

> हम आपको बता दें कि भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 155 अरब डॉलर से भी ऊपर पहुंच चुका है। पहली नजर में यह उपलब्धि लगती है, लेकिन यही आंकड़ा सबसे बड़ा खतरे का संकेत भी है। कारण साफ है, यह व्यापार संतुलित नहीं है।

भारत और चीन के बीच व्यापार का रिश्ता आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां सच्चाई और दिखावा आमने सामने खड़े हैं। ऊपर से सब कुछ तेजी से बढ़ता हुआ दिखता है, लेकिन अंदर ही अंदर यह रिश्ता भारत की आर्थिक रीढ़ पर दबाव डाल रहा है। यह कहानी केवल व्यापार की नहीं, बल्कि ताकत, निर्भरता और रणनीति की है।

हम आपको बता दें कि भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 155 अरब डॉलर से भी ऊपर पहुंच चुका है। पहली नजर में यह उपलब्धि लगती है, लेकिन यही आंकड़ा सबसे बड़ा खतरे का संकेत भी है। कारण साफ है, यह व्यापार संतुलित नहीं है। भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 116 अरब डॉलर के पार जा चुका है। इसका मतलब यह है कि भारत चीन से बहुत ज्यादा खरीद रहा है और बहुत कम बेच पा रहा है। चीन से आयात 135 अरब डॉलर के करीब है, जबकि भारत का निर्यात मुश्किल से 20 अरब डॉलर के आसपास सिमटा हुआ है। यह असंतुलन सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह भारत की आर्थिक निर्भरता का खुला सबूत है।

हम आपको बता दें कि भारत आज भी इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, दवाओं के कच्चे माल और सोलर उपकरणों के लिए चीन पर काफी हद तक निर्भर है। दरअसल सस्ती कीमतों का लालच भारत को इस जाल में बांधे हुए है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या यह सस्ता सौदा वास्तव में सस्ता है? जब एक देश आपकी सप्लाई चेन पर नियंत्रण रखता है, तो वह केवल व्यापार नहीं करता, बल्कि आपकी अर्थव्यवस्था पर भी असर डालता है। यही चीन कर रहा है।

हैरत की बात यह भी है कि गलवान जैसी घटनाओं के बाद उम्मीद थी कि भारत चीन से दूरी बना लेगा। लेकिन हकीकत उलट है। दोनों देशों के बीच व्यापार न केवल जारी है, बल्कि तेजी से बढ़ा है। कारण यही है कि भारत अभी भी कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में चीन पर निर्भर है। बुलेट ट्रेन परियोजना से लेकर औद्योगिक मशीनों तक, भारत को चीन से सामान लेना पड़ रहा है। यानी राजनीतिक तनाव अपनी जगह है, लेकिन आर्थिक मजबूरी अपनी जगह है।

मगर भारत अब इस असंतुलन को समझ चुका है और धीरे धीरे अपनी रणनीति बदल रहा है। देश में विनिर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। छोटे और मध्यम उद्योगों को ताकत दी जा रही है। नए व्यापार समझौते किए जा रहे हैं ताकि निर्यात बढ़ सके। इसके साथ ही, ऊर्जा के क्षेत्र में भी भारत ने समझदारी दिखाई है। अब वह केवल एक स्रोत पर निर्भर नहीं रहना चाहता। तेल और गैस की सप्लाई को विविध बनाया जा रहा है। यह संकेत साफ है कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

दूसरी तरफ चीन अपनी स्थिति को बनाए रखने के लिए पूरी ताकत लगा रहा है। उसका लक्ष्य साफ है कि उसे दुनिया की फैक्ट्री बने रहना है और हर बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करनी है। हम आपको यह भी बता दें कि चीन का वैश्विक व्यापार अधिशेष लगातार बढ़ रहा है। वह नए बाजारों में घुस रहा है और तकनीकी तथा खनिज संसाधनों पर नियंत्रण बढ़ा रहा है। यही वजह है कि भारत जैसे देश चाहकर भी उससे पूरी तरह दूरी नहीं बना पा रहे हैं।

इसके अलावा, हाल के बयानों में चीन ने भारत के साथ सहयोग की बात कही है। लेकिन यह सहयोग उतना सीधा नहीं जितना दिखता है। इसके पीछे एक रणनीतिक खेल है। चीन चाहता है कि भारत उसके साथ खड़ा रहे, जबकि भारत अपनी स्वतंत्र आर्थिक पहचान बनाना चाहता है। यानी यह रिश्ता अब दोस्ती का नहीं, बल्कि संतुलन का खेल बन चुका है। यह एक ऐसा दौर है जहां दोनों देश एक दूसरे से जुड़े भी हैं और एक दूसरे से बचने की कोशिश भी कर रहे हैं।

इसमें भी कोई दो राय नहीं कि आने वाले समय में भारत और चीन के बीच आर्थिक मुकाबला और तेज होने वाला है क्योंकि सप्लाई चेन का बंटवारा होगा, नए विनिर्माण केंद्र उभरेंगे और तकनीक के क्षेत्र में सीधी टक्कर होगी। भारत अगर अपनी रणनीति पर कायम रहता है, तो वह इस असंतुलन को धीरे धीरे कम कर सकता है। लेकिन अगर वह चूक गया, तो यह निर्भरता और गहरी हो जाएगी।

बहरहाल, भारत और चीन का व्यापार संबंध एक दोधारी तलवार है। एक तरफ यह आर्थिक अवसर देता है, दूसरी तरफ यह निर्भरता का खतरा भी पैदा करता है। अब फैसला भारत के हाथ में है कि वह इस रिश्ते को अपने पक्ष में मोड़ता है या फिर आंकड़ों की चमक में छिपे खतरे को नजरअंदाज करता रहता है। क्योंकि सच्चाई यही है, यह व्यापार नहीं, बल्कि आर्थिक शक्ति की लड़ाई है।

• नीरज कुमार दुबे

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सर्वदलीय बैठक के मायने

ऐसी सर्वदलीय बैठक के मायने और उसकी सार्थकता ही क्या है, जिसमें न तो प्रधानमंत्री मोदी और न ही नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी उपस्थित हों? ईरान युद्ध के बाद संकट वैश्विक है, कई देशों ने आपातकाल तक घोषित कर दिया है, पाबंदियां भी थोपी जा रही हैं और भारत भी प्रभावित है, लिहाजा ऐसी स्थिति में सरकार की ओर से जवाब कौन देगा? सत्ता और विपक्ष को सर्वदलीय बैठक में शिद्दत से तमाम मुद्दों पर विमर्श करना चाहिए था, लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने बैठक का बहिष्कार किया, क्योंकि उसकी राजनीतिक लड़ाई भाजपा से है। यह बैठक भाजपा की नहीं थी, भारत सरकार ने बुलाई थी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी गैर-हाजिर रहे, जबकि वह दिल्ली में ही थे। संभव है कि माता जी सोनिया गांधी के अस्वस्थ होने के कारण वह न आए हों, लेकिन उन्हें बताना चाहिए था। नेता प्रतिपक्ष लोकतंत्र में 'छाया प्रधानमंत्री' माना जाता है। बहरहाल 2019 से एक देश, एक चुनाव, कोरोना वैश्विक महामारी, गलवान संघर्ष, मणिपुर तनाव एवं हिंसा, 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे विषयों पर सर्वदलीय बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी एक भी बैठक में शामिल नहीं हुए। आखिर क्यों? क्या प्रधानमंत्री मौजूदा व्यवस्था और संसदीय प्रणाली से भी 'ऊपर' और अति महत्वपूर्ण हैं? बेशक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बेहद अनुभवी राजनेता और मंत्री हैं। मौजूदा कैबिनेट में प्रधानमंत्री के बाद उन्हीं का स्थान है। रक्षा मंत्री समेत गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बैठक में मौजूद थे। वे अपने-अपने मंत्रालयों से जुड़े सवालों के स्पष्टीकरण देने में सक्षम हैं। सवाल तो यह है कि क्या प्रधानमंत्री मोदी के पास सर्वदलीय बैठक के लिए भी 'समय' नहीं था अथवा यह 'सर्वश्रेष्ठ होने का अहंकार' था? नरेंद्र मोदी, अन्य 542 सांसदों की तरह, एक निर्वाचित सांसद हैं। एक संसदीय समूह ने उन्हें अपना नेता चुना था, जिसके आधार पर वह देश के प्रधानमंत्री बने। जनता प्रत्यक्ष तौर पर प्रधानमंत्री नहीं चुनती, लिहाजा उन्हें लोकतांत्रिक व्यवहार करना चाहिए।

वह किसी साम्राज्य के प्रमुख नहीं हैं। ऐसी बैठकों में विपक्ष को कई सवाल, कई जिज्ञासाएं व्यक्त करने का मौका मिलता है। यकीनन प्रधानमंत्री के पास व्यापक और अतिरिक्त जानकारियां भी होती हैं, क्योंकि खुफिया समेत तमाम एजेंसियां और कूटनीतिक स्रोत भी उन्हें 'अपडेट' देते रहते हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री का जवाब, किसी अन्य मंत्री की तुलना में, ठोस और तार्किक होता है। देश भी ऐसे जवाबों से रूबरू होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के दोनों सदनों में, अलग-अलग दिन, ईरान युद्ध से उपजे हालात और भारत की स्थितियों पर वक्तव्य दिए और वह संसद से चले गए। हम नहीं जानते कि संसद में ऐसे नियम हैं अथवा नहीं हैं, संवैधानिक व्यवस्था क्या है, लेकिन हमने चंद्रशेखर और अटल बिहारी वाजपेयी सरीखे प्रधानमंत्रियों को हर समय संसद के प्रति जवाबदेह देखा है। उन्होंने बेहद नाजुक और विवादित मुद्दों पर भी खुलकर जवाब दिए थे। प्रधानमंत्री के तौर पर डॉ. मनमोहन सिंह अधिकांश सर्वदलीय बैठकों में शामिल होते थे। हालांकि उन्हें 'दुर्घटनावश प्रधानमंत्री' करार दिया जाता था। मध्य-पूर्व, पश्चिम एशिया संकट पर ही प्रधानमंत्री मोदी संसद में ही उपस्थित क्यों नहीं रहे, ताकि विपक्ष उनसे सवाल कर सकता? प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और शेष विपक्ष के दरमियान बहुत गहरी खाई है, फासले हैं, उन्हें क्या नामकरण दिया जाए, हम नहीं जानते, लेकिन ये लोकतंत्र और देश के हित में नहीं हैं।

जनरल नॉलेज

ईरान में गिरा परमाणु बम तो क्या भारत तक पहुंच सकता है रेडिएशन, जानें किन-किन देशों को खतरा?

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव ने दुनिया को एक ऐसे मोड़ पर खड़ा कर दिया है, जहां परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की चर्चा होने लगी है. अगर ईरान और इजरायल के बीच जंग खतरनाक स्तर पर पहुंचती है और ईरान की धरती पर परमाणु धमाका होता है, तो सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या इसका असर भारत पर भी पड़ेगा? क्या ईरान से उड़ने वाली रेडियोएक्टिव धूल हमारे शहरों तक पहुंचकर तबाही मचाएगी? वैज्ञानिक और रणनीतिक नजरिए से यह समझना जरूरी है कि हवा का रुख और दूरी इस खतरे को कैसे तय करती है.

ईरान में परमाणु धमाका और भारत की दूरी - ईरान के मुख्य परमाणु ठिकानों से भारत की पश्चिमी सीमा की दूरी लगभग 2000 से 2500 किलोमीटर के बीच है. विज्ञान के मुताबिक, किसी भी परमाणु विस्फोट के बाद निकलने वाले सबसे खतरनाक और भारी रेडियोधर्मी कण धमाके वाली जगह से कुछ सौ किलोमीटर के दायरे में ही जमीन पर गिर जाते हैं. इतनी लंबी दूरी तय करते समय रेडिएशन का असर काफी हद तक कम हो जाता है. इसलिए, तकनीकी रूप से भारत में तत्काल एक्यूट रेडिएशन सिकनेस यानी विकिरण से होने वाली गंभीर बीमारी का सीधा खतरा कम नजर आता है.

क्या हवा के जरिए भारत तक होगा असर? - भले ही भारत ईरान से काफी दूर है, लेकिन वायुमंडल में घुले रेडियोधर्मी कणों को हवाएं दूर तक ले जा सकती हैं. अगर हवा का रुख पश्चिम से पूर्व की ओर रहता है, तो परमाणु बादल 48 से 72 घंटों के भीतर भारतीय आसमान तक पहुंच सकते हैं. ऐसी स्थिति में गुजरात, राजस्थान, पंजाब और दिल्ली जैसे राज्यों में रेडियोएक्टिव कणों की मौजूदगी दर्ज की जा सकती है. हालांकि, भारत तक पहुंचते-पहुंचते ये कण इतने फैल और हल्के हो चुके होंगे कि इनसे जानलेवा खतरा होने की आशंका बहुत ही कम रहती है.

किन देशों के लिए मंडराता बड़ा खतरा - ईरान में अगर कोई परमाणु घटना होती है, तो सबसे ज्यादा तबाही उसके पड़ोसी देशों में देखने को मिलेगी. ईरान के 500 से 1000 किलोमीटर के दायरे में आने वाले इराक, तुर्की, आर्मेनिया, अजरबैजान, तुर्कमेनिस्तान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे देशों को बेहद घातक रेडिएशन का सामना करना पड़ेगा. इन देशों में रेडियोधर्मी धूल (फॉलआउट) सीधे तौर पर लोगों की सेहत और पर्यावरण को बर्बाद कर सकती है. हवा के बहाव के आधार पर इन देशों की सुरक्षा पूरी तरह दांव पर लगी होगी.

खाड़ी देशों और समुद्री पर्यावरण पर संकट - ईरान के दक्षिण में स्थित खाड़ी देश जैसे सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) भी इस खतरे की चपेट में हैं. अगर ईरान के बुशहर जैसे तटीय परमाणु बिजली संयंत्रों को निशाना बनाया गया, तो रेडियोएक्टिव रिसाव सीधे फारस की खाड़ी और अरब सागर के पानी को जहरीला बना सकता है.

टेक्नोलॉजी

आपका iPhone असली है या नकली? IMEI नंबर से ऐसे करें चेक, जानिए ये आसान तरीके वरना हो सकता है बड़ा नुकसान

नया iPhone खरीदना हर किसी के लिए खास होता है लेकिन आजकल बाजार में नकली iPhone भी बड़ी चालाकी से बेचे जा रहे हैं. दिखने में ये बिल्कुल असली जैसे लगते हैं लेकिन इनकी परफॉर्मेंस कमजोर होती है, सिक्योरिटी भरोसेमंद नहीं होती और Apple की कोई आधिकारिक सपोर्ट भी नहीं मिलती. अगर आप ऑनलाइन या किसी दुकान से iPhone खरीद रहे हैं तो उसकी असलियत जांचना बेहद जरूरी है ताकि आप ठगी से बच सकें.

IMEI नंबर से करें तुरंत पहचान - सबसे आसान तरीका है IMEI नंबर चेक करना. अपने फोन में *#06# डायल करें, स्क्रीन पर IMEI नंबर दिख जाएगा. इसके बाद Apple की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर इस नंबर को डालकर जांच करें. अगर नंबर गलत या अनजान दिखे तो समझ लें कि फोन संदिग्ध हो सकता है.

सीरियल नंबर से करें पुष्टि - फोन की सेटिंग्स में जाकर General » About में सीरियल नंबर देखें. इस नंबर को Apple की Check Coverage वेबसाइट पर डालकर वेरिफाई करें. अगर वहां कोई जानकारी नहीं मिलती या एरर

आता है तो यह नकली या अनरजिस्टर्ड डिवाइस हो सकता है.

ऑपरेटिंग सिस्टम से पहचानें फर्क - असली iPhone हमेशा iOS पर चलता है जो Apple का खुद का सॉफ्टवेयर है. नकली फोन अक्सर Android पर होते हैं लेकिन उन्हें iOS जैसा दिखाया जाता है. इसे पहचानने के लिए App Store खोलें अगर Google Play Store दिखाई दे तो फोन असली नहीं है.

बिल्ड क्वालिटी पर दें ध्यान - ऑरिजिनल iPhone की फिनिशिंग प्रीमियम होती है मेटल और ग्लास का मजबूत बॉडी, सटीक डिजाइन और सही जगह पर लगे बटन. वहीं नकली फोन में ढीले बटन, खराब फिनिशिंग और हल्का-सा सस्ता अहसास मिल सकता है.

App Store से करें कन्फर्म - असली iPhone में सिर्फ Apple का App Store होता है. अगर फोन में कोई दूसरा ऐप स्टोर जैसे Google Play दिखे तो यह साफ संकेत है कि डिवाइस नकली है. इसके अलावा अपने iPhone को USB के जरिए कंप्यूटर से जोड़ें और iTunes या Finder खोलें. असली iPhone तुरंत पहचान लिया जाता है जबकि नकली डिवाइस अक्सर कनेक्ट नहीं होते या सही से डिटेक्ट नहीं होते.

Siri, कीमत और पैकेजिंग भी देखें - पावर बटन दबाकर Siri चालू करें अगर यह काम नहीं करता तो शक होना चाहिए. साथ ही, बहुत कम कीमत में मिलने वाला iPhone भी खतरे का संकेत हो सकता है. पैकेजिंग, बॉक्स और एक्सेसरीज की क्वालिटी भी ध्यान से देखें क्योंकि असली Apple प्रोडक्ट्स हमेशा प्रीमियम पैकिंग के साथ आते हैं.

होर्मुज स्ट्रेट को खोलने की 'चाबी' बन सकते हैं ये 7 द्वीप, ईरान करता है कंट्रोल, अमेरिकी सेना करेगी कब्जा

एजेंसी तेहरान

'THE SEVEN KEYS TO THE STRAIT OF HORMUZ'

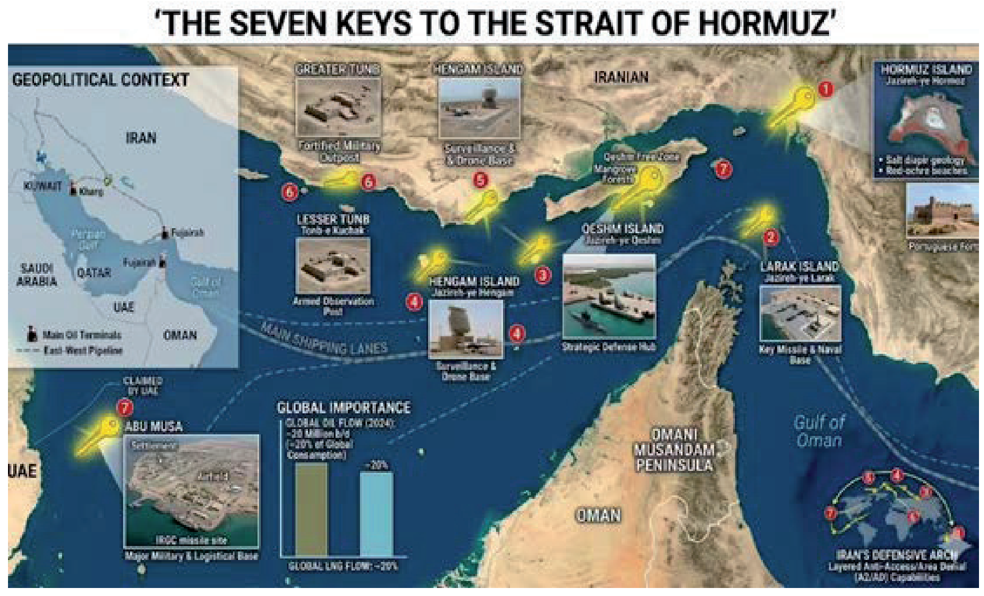

ईरान में युद्ध शुरू होने के बाद से होर्मुज स्ट्रेट लगातार चर्चा में हैं। ईरानी सेना का इस इलाके पर नियंत्रण है और अमेरिका पर दबाव है कि वह इस समुद्री रास्ते को वैश्विक व्यापार के लिए खुलवाए। इस बीच सामने आया है कि हजारों अमेरिकी जमीनी सैनिक पश्चिम एशिया जा रहे हैं। माना जा रहा है कि ये ईरान के खर्ग द्वीप पर कब्जे की कोशिश कर सकते हैं, जो उत्तरी फारस खाड़ी में तेल का अहम केंद्र है। इस द्वीप से ईरान के 90% तेल का निर्यात होता है। ऐसा होने पर अमेरिकी होर्मुज के यातायात को नियंत्रित करने में कामयाबी पाने की उम्मीद कर रहे हैं। सीएनएन के मुताबिक, खर्ग खाड़ी में मौजूद ईरान के दर्जनों द्वीपों में से सिर्फ एक है। होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए दूसरे द्वीप ज्यादा अहम हो सकते हैं। इसमें सात द्वीपों का नाम आता है, जो होर्मुज की गुत्थी को सुलझाने की 'चाबी' बन सकते हैं। ये सात द्वीप यानी अबू मूसा, ग्रेटर तुंब, लेसर तुंब, हेंगम, केश्म, लारक और होर्मुज मिलकर वह बनाते हैं, जिसे चीन के जुहाई स्थित सन यात-सेन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता ईरान का आर्क डिफेंस कहते हैं। ईरानी शोधकर्ता इनायतुल्लाह यजदानी और चीनी रिसर्चर मा यानजे का कहना है कि इन द्वीपों को जोड़ने वाली एक काल्पनिक रेखा होर्मुज स्ट्रेट को नियंत्रित करने में ईरान की रणनीतिक बढ़त को समझने में मदद करेगी। दोनों शोधकर्ताओं ने माना है कि अबू मूसा, ग्रेटर तुंब और लेसर तुंब जलडमरूमध्य पर नियंत्रण रखने के लिए बेहद अहम हैं। ये इन सातों द्वीपों में सबसे छोटे हैं और आर्क के पश्चिमी सिरे पर स्थित हैं। शोधकर्ताओं का कहना कि इन द्वीपों के बीच की सीमित दूरी और उथली खाड़ी में पानी की गहराई के कारण बड़े जहाजों और टैंकरों को इन तीन द्वीपों के पास से गुजरने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इससे वे इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) की हमला करने वाली तेज रफ्तार नावों, बारूदी सुरंगें बिछाने वाले जहाजों और ड्रोन का आसान निशाना बन सकते हैं। हवाई स्थित विश्लेषक और अमेरिकी पैसिफिक कमांड के जॉइंट इंटेलिजेंस सेंटर के पूर्व निदेशक कार्ल शूस्टर का कहना है कि ये द्वीप रणनीतिक रूप से ऐसी जगह पर हैं, जहां से खाड़ी से बाहर निकलने या उसमें दाखिल होने वाले किसी भी जहाज को नियंत्रित किया जा सकता है। ईरान को इस क्षेत्र पर नियंत्रण का सीधा फायदा मौजूदा युद्ध में मिल रहा है। न्यूयॉर्क स्थित सूफान सेंटर की रिपोर्ट में कहा गया है कि इनमें से किसी क्षेत्र को नियंत्रित करने के लिए अमेरिकी सेना को ईरानी मुख्य भूमि से आने वाले ड्रोन, मिसाइल और तोपखाने के हमलों को रोकना होगा। साफ है कि इन द्वीपों पर कब्जे की कोशिश में अमेरिका ईरानी क्षेत्र में लंबे समय चलने वाले संघर्ष में उलझ सकता है, जिसमें अमेरिकी सैनिकों की मौतों की संख्या बढ़ सकती है। इन द्वीपों पर नियंत्रण निश्चित ही होर्मुज के यातायात को सुचारू करने में अमेरिका की मदद करेगा लेकिन यह काम आसान नहीं है। इस कोशिश में अमेरिकी सेना को ईरान के ड्रोन, मिसाइल और तोपखाने के हमलों को रोकना होगा। यह उनके लिए बड़ी मुश्किल बनेंगे। शूस्टर ने ऊपरी खाड़ी में स्थित तेल केंद्र खर्ग के बजाय निचली खाड़ी में स्थित इन तीनों द्वीपों पर कब्जे को फायदे का सौदा माना है। साथ ही शूस्टर ध्यान दिलाते हैं कि अमेरिका के सामने एक उलझन इन द्वीपों पर ईरान और यूएई के बीच का विवाद है। अमेरिका इन द्वीपों को नियंत्रण में लेता है और नई ईरानी सरकार को लौटाता है तो इससे UAE के नाराज हो सकता है। यही वजह है कि यह मामला काफी जटिल है।

पीएम मोदी ने सऊदी के क्राउन प्रिंस से की बात, पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर चर्चा की

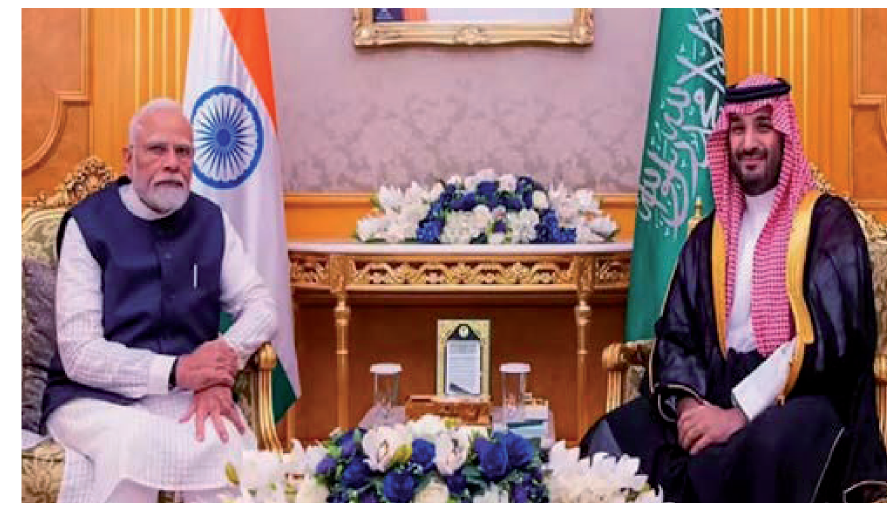

एजेंसी नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से बात की। इस दौरान पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने सऊदी अरब के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की निंदा की। पीएम मोदी ने X पर लिखा, "सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री, महामहिम प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से बात की और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर चर्चा की। मैंने क्षेत्रीय ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की भारत की निंदा को दोहराया।" मोदी ने बताया, "हम इस बात पर सहमत हुए कि नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना और शिपिंग लाइनों को खुला और सुरक्षित रखना आवश्यक है। सऊदी अरब में भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए उनके निरंतर समर्थन के लिए मैंने उन्हें (सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस) धन्यवाद दिया।" बता दें कि यह बातचीत अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद हुई, जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए बहरीन और सऊदी अरब सहित कई अन्य पश्चिम एशियाई देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों की ओर कई मिसाइलें दागीं। पश्चिम एशिया संकट को लेकर पीएम मोदी ने इससे पहले 2 मार्च को सऊदी के क्राउन प्रिंस से बातचीत की थी। उस समय भी पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के दौरान सऊदी पर हुए हमलों की निंदा की थी। प्रधानमंत्री ने तब कहा था कि सऊदी पर हुए हमले उनकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करते हैं। मोदी ने सऊदी अरब के युवराज एवं प्रधानमंत्री से दोनों देशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के कुशलक्षेम के बारे में भी बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाल होना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

चीनी PL-10 या भारत की ASRAAM मिसाइल, कौन ज्यादा ताकतवर, रूसी मिग-29 को मिलेगा ब्रिटिश शिकारी

एजेंसी बीजिंग

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन के पीएल-15 मिसाइल की दुनियाभर में काफी चर्चा हुई थी। पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने इस मिसाइल की मदद से भारत के राफेल जेट को मार गिराया है। वहीं भारत ने पाकिस्तान के इस दावे की कभी पुष्टि नहीं की। अब एक बार फिर से भारत बनाम चीन के मिसाइलों की चर्चा तेज हो गई है। भारतीय वायुसेना अपने रूसी मूल के मिग-29 फाइटर जेट में ब्रिटेन समेत यूरोप की दिग्गज रक्षा कंपनी MBDA की बनाई हुई ASRAAM वियांड विजुअल रेंज एयर टु एयर मिसाइल लगाने जा रही है। इस मिसाइल को पहले ही तेजस फाइटर जेट में लगाया जा चुका है। भारत के रक्षा मंत्रालय ने इस मिसाइल को मिग-29 में लगाने के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल जारी कर चुका है। भारतीय वायुसेना के पास 55 मिग-29 फाइटर जेट हैं। इसमें अभी तक रूस की 1980 के दशक की R-73 मिसाइल लगी हुई है। R-73 मिसाइल एक इंफ्रारेड से लैस गाइडेड मिसाइल है जिसकी रेंज 10 से 15 किमी तक है। अब इसकी जगह पर ASRAAM मिसाइल को लगाया जाएगा जो चौथी पीढ़ी की एक अत्याधुनिक मिसाइल है। यह भारतीय वायुसेना के सभी वमिानों में अब लगाई जाएगी। आइए जानते हैं दोनों की ताकत और कौन कितना खतरनाक है.... चीन-पाकिस्तान की PL-10 बनाम भारत की ASRAAM मिसाइल भारत की भारत डायनामिक्स और MBDA के बीच साल 2021 में ASRAAM मिसाइल को बनाने को लेकर समझौता हुआ। इसे हैदरबाद में बनाया जाता है। यह हवा में न दिखाई देने वाले लक्ष्यों को भी मार गिराने में सक्षम है। ASRAAM मिसाइल दागो और भूल जाओ के सिद्धांत पर काम करती है। यह बहुत तेजी से गर्मी का पीछा कर हवा में ही दुश्मन को खाक कर देती है। मिग-29 में लगने जा रही यह मिसाइल मैक-3 की गति से हमला करने में सक्षम है। इसकी मारक दूरी 25 किमी से ज्यादा है। यह आर-73 से काफी ज्यादा है। ASRAAM मिसाइल साल 1998 से ही ब्रिटेन के रॉयल एयरफोर्स में है। हवा में यह मिसाइल खुद ही अपने लक्ष्य की पहचान कर लेती है। एक बार दागे जाने के बाद उसे पायलट के मदद की जरूरत नहीं होती है। इसे फाइटर जेट के खिलाफ खासतौर पर बनाया गया है। ब्रिटिश ASRAAM मिसाइल की लंबाई 2.9 मीटर है और वजन 88 किलो है। इसमें बहुत ही घातक बारुद लगा होता है। चीन और पाकिस्तान की PL-10 मिसाइल में कितना दम भारत के दो मुख्य दुश्मन चीन और पाकिस्तान हवा से हवा में कम दूरी तक हमला करने के लिए PL-10 मिसाइल का इस्तेमाल करते हैं। इस मिसाइल को सेवा में साल 2015 में शामिल किया गया था पीएल-10 मिसाइल कम दूरी तक हमला करने वाली इन्फ्रारेड गाइडेट मिसाइल माना जाता है। इसे चीन के अगली पीढ़ी के फाइटर जेट जैसे J-10C, J-16 और पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट J-20 में इस्तेमाल के लिए बनाया गया है। पाकिस्तान ने भारत के तेजस फाइटर जेट से टक्कर के लिए जेएफ-17 फाइटर जेट बनाया है। इस फाइटर जेट में भी पीएल-10 मिसाइल को लगाया गया है। इसे पाकिस्तान दुनिया के कई देशों को निर्यात करने के प्लान पर काम कर रहा है। पीएल-10 मिसाइल की अधिकतम रेंज करीब 20 किमी बताई जाती है। हालांकि कई अनुमानों में कहा गया है कि यह 30 किमी तक मार कर सकती है। चीनी इसकी सही रेंज नहीं बताते हैं। यह उन्होंने पीएल 15 के साथ किया था।

'भारत ने मुश्किल से निकाला', 38,000 मीट्रिक टन तेल पाकर खुशी से झूमे सांसद डी सिल्वा, PM मोदी को कहा शुक्रिया

एजेंसी कोलंबो

भारत ने श्रीलंका को डीजल और पेट्रोल भेजकर एनर्जी संकट से निपटने में मदद की है। भारत के इस फैसले की श्रीलंका के सांसद हर्षा डी सिल्वा ने जमकर तारीफ की है। सिल्वा ने कहा है कि पड़ोसी देश भारत ऐसे समय में हमें मदद भेज रहा है, जब हमें इसकी बहुत ज्यादा जरूरत है। भारत ने पहले भी बुरे वक्त में श्रीलंका का साथ दिया है। ऐसे में श्रीलंका के लोगों को भारत और नरेंद्र मोदी का खुले दिल से स्वागत और शुक्रिया करना चाहिए। हर्ष डी सिल्वा ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा कि एक बार फिर पीएम नरेंद्र मोदी मदद के लिए आगे आए हैं। जब हम मुश्किल में होते हैं तो वे हमारी मदद के लिए हाथ बढ़ाते हैं। हम उनका शुक्रिया करते हैं। मुझे उम्मीद है कि अब कम से कम वे लोग चीजों को समझेंगे, जो दशकों से भारत और श्रीलंका के रिश्तों को मजबूत बनाने का विरोध करते रहे हैं। डी सिल्वा ने आगे लिखा कि हम हमेशा मदद के लिए फोन करके गुहार नहीं लगा सकते हैं। हमें एक मजबूत और दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद साझेदारी बनानी होगी। हमें चाहिए कि अब मुद्दे को टालना बंद करें और ECTA पर गंभीरता से बात करें। हमारी अर्थव्यवस्थाओं के असली एकीकरण पर चर्चा करें। सांसद हर्ष डी सिल्वा ने कहा कि हमें दोनों देशों की मैन्युफेक्चरिंग और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में आपसी जुड़ाव बढ़ाना चाहिए। ऐसा करते समय हमें दोनों देशों के बीच के अंतरों को ध्यान में रखते हुए एक असममित ढांचा अपनाना होगा। हमारे सामने अवसरों की कोई कमी नहीं है। अब हमें पुरानी और सस्ती राजनीतिक बहसों से ऊपर उठकर सोचना है। पीएम नरेंद्र मोदी श्रीलंका की मदद के लिए आगे आए हैं। वह लगातार हमारी मदद करते रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि अब कम से कम वे लोग चीजों को समझेंगे और भारत और श्रीलंका के रिश्तों को मजबूत बनाने पर जोर देंगे। हमें एक मजबूत और दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद साझेदारी बनानी होगी। हर्कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने शनिवार को बताया है कि भारत ने श्रीलंका को 38,000 मीट्रिक टन (MT) पेट्रोलियम की आपूर्ति की है। इसमें 20,000 MT डीजल और 18,000 MT पेट्रोल है। ईंधन आपूर्ति से जुड़ा यह घटनाक्रम प्रधानमंत्री मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच फोन कॉल के बाद सामने आया है। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और ऊर्जा सहयोग पर चर्चा की। श्रीलंकाई मीडिया ने बताया है कि अनुरा कुमारा दिसानायके ने बिजली उत्पादन के लिए भारत से डीजल और फर्नेस ऑयल की आपूर्ति मांगी है। यह प्रस्तावित आपूर्ति उस 38,000 मीट्रिक टन ईंधन के अलावा है, जिसकी आपूर्ति भारत आज लंका इंडियन ऑयल कंपनी के जरिए कर रहा है। श्रीलंका अपने व्यावसायिक कार्यों के लिए खाड़ी देशों और सिंगापुर के आपूर्तिकर्ताओं से ईंधन खरीदता है। युद्ध के चलते खाड़ी से आपूर्ति बाधित हुई है। नतीजतन आपातकालीन जरूरत को देखते हुए डीजल और पेट्रोल की ताजा खेप भारत स्थित इसकी रिफाइनरी से मंगाई गई है।

डोनाल्ड ट्रंप ने प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान पर की घटिया टिप्पणी, सऊदी जैसे करीबी सहयोगी को भी नहीं बख्शा

एजेंसी वॉशिंगटन

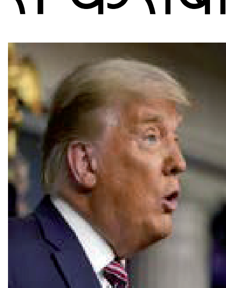
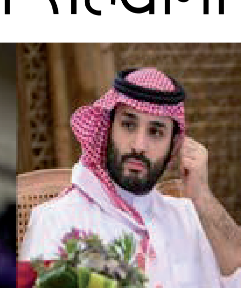

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कथित तौर सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के लिए 'हल्की' भाषा का इस्तेमाल किया है। डोनाल्ड ट्रंप का मियामी में हुए 'फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव' में बोलते हुए वीडियो सामने आया है। इसमें वह कह रहे हैं कि मोहम्मद बिन सलमान को शायद लगता होगा कि उनको मेरी चापलूसी नहीं करनी पड़ेगी लेकिन अब वह मेरे लिए काफी सम्मान दिखाते हैं। इसी दौरान वह गाली जैसे शब्द का इस्तेमाल करते देखे गए। ट्रंप की भाषा ने इसलिए चौंकाया है क्योंकि सऊदी अरब और अमेरिका बेहद करीबी सहयोगी हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में डोनाल्ड ट्रंप कह रहे हैं, 'उसको (मोहम्मद बिन सलमान) नहीं लगा था कि उसे मेरी चापलूसी करनी पड़ेगी। हालांकि अब उसे मेरे साथ अच्छा बर्ताव करना पड़ रहा है और उनको यह करना ही होगा। यह सऊदी अरब का वॉशिंगटन के लिए नजरिए में बदलाव दिखाताहै। अमेरिका का प्रभाव अब और मजबूत हो गया है।' डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा कि मोहम्मद बिन सलमान को लगा था कि मैं पुराने आम अमेरिकी राष्ट्रपति की तरह पेश आऊंगा। उन्होंने समझा कि ट्रंप भी लूजर होगा, जिसके राज में देश गर्त में जा रहा होगा। ऐसा नहीं हुआ और अब उसे मेरे साथ अच्छा बर्ताव करना पड़ रहा है। आप उसे बता देना कि उसे ऐसा करना ही पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण का यह हिस्सा सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें वह मोहम्मद बिन सलमान को लेकर इस तरह की बात कह रहे हैं। कई यूजर्स ने मोहम्मद बिन सलमान के खिलाफ इस तरह की भाषा के लिए ट्रूंरंप की आलोचना की है। वहीं कई यूजर्स ने कहा है कि सऊदी शासक खुद इस बर्ताव के लिए जिम्मेदार हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने डोनाल्ड ट्रंप के बार-बार बयान बदलने और एक ही शख्स या मुद्दे पर बिल्कुल अलग-अलग बात कहने के लिए सवाल खड़े किए हैं। ट्रंप ने कुछ ही दिन पहले मोहम्मद बिन सलमान को ईरान युद्ध के संदर्भ में योद्धा बताया था, जो अमेरिका के साथ खड़ा है। अब वह उनके लिए इस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध पर बार-बार बयान बदले हैं। ट्रंप ने एक ओर धमकी दी है कि होर्मुज का जलमार्ग बंद रहता है तो ईरान के ऊर्जा संयंत्रों को पूरी तरह तबाह कर दिया जाएगा वहीं दूसरी ओर यह भी कह रहे हैं कि इस जलमार्ग के बंद होने से अमेरिका अप्रभावित है। उनके विरोधाभसी बयानों से भ्रम की स्थिति बन रही है।

'जयशंकर का दलाल बयान तो हद हो गई', भारतीय विदेश मंत्री पर भड़कीं हिना रब्बानी, पाकिस्तानी नेता ने निकाली खीज

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान सरकार के बाद पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार की ओर से एस जयशंकर के 'दलाल' कमेंट पर एतराज जताया गया है। खार ने शनिवार को सोशल मीडिया पर कहा कि यह गलत है और इस तरह की सोच पूरे क्षेत्र को प्रभावित करती है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को सर्वदलीय बैठक में पाकिस्तान की ईरान युद्ध में कथित मध्यस्थता से जुड़े सवाल पर कहा था कि भारत इसमें नहीं है क्योंकि हम 'दलाल देश' नहीं हैं। इसी पर पाकिस्तान एतराज जता रहा है हिना ने शनिवार को एक पोस्ट को रीपोरस्ट किया गया है। इस पोस्ट में एस जयशंकर के बयान का जिक्र करते हुए उनकी आलोचना की गई है। इसी पर हिना ने बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि यह देखकर दुख होता है कि पूरा का पूरा इलाका ऐसे लोगों और उनके सियासी ड्रामेबाजी का बंधक बना हुआ है। वाह! यह तो हद ही हो गई। यह देखकर दुख होता है कि पूरा का पूरा इलाका ऐसे लोगों और उनके सियासी ड्रामे का बंधक बना हुआ है। हिना रब्बानी से पहले पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी से शुक्रवार को इस पर बयान दिया था। ताहिर ने जयशंकर के बयान पर कहा, 'हम भारतीय बयान को तिरस्कार के साथ खारिज करते हैं। इस तरह की गैर-कूटनीतिक बयानबाजी गहरी हताशा को दर्शाती है। जब तर्क कमजोर पड़ जाते हैं तो अपशब्दों का सहारा लिया जाता है।'

सर्वदलीय बैठक में बुधवार को भारत सरकार ने कथित तौर पर पश्चिम एशिया संघर्ष में पाकिस्तान की कथित मध्यस्थता को खारिज करते हुए कहा था कि इसमें कुछ नया नहीं है क्योंकि 1981 से ही अमेरिका उसका उपयोग करता आ रहा है। सूत्रों के अनुसार, जयशंकर ने बैठक में उपस्थित लोगों से पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा था कि हम दलाल राष्ट्र नहीं हैं।

इस पूरे घटनाक्रम और विवाद की जड़ मेंपाकिस्तान की ईरान युद्ध में मध्यस्थता की कोशिश करना है।

पाकिस्तान की कोशिश है कि इस्लामाबाद में अमेरिकी और ईरानी नेता बैठकर सीजफायर पर बात करें। इसी को लेकर पाकिस्तान, भारत समेत दुनिया के बड़े हिस्से में बयानबाजी का सिलसिला देखने के लिए मिला है।

पाकिस्तान के नेता लगातार यह बताने की कोशिश कर रहे हैं किईरान युद्ध में सीजफायर से जुड़ी बातचीत में उनके देश की भूमिका भारत से ज्यादा है। इस पर लगातार इस्लामाबाद की ओर से बयानबाजी की जा रही है। इस सबके बीच खासतौर से जयशंकर के बयान ने पाकिस्तान के नेताओं को परेशान किया है।

आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले विदेशी खिलाड़ी, सुनील नरेन ने तोड़ा सबका रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी | आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेल रहे वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज स्पिन ऑलराउंडर सुनील नरेन ने इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में विदेशी खिलाड़ी के रूप में सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड कायम कर दिया. नरेन ने इस महारिकॉर्ड में कीरोन पोलार्ड का रिकॉर्ड तोड़ दिया.

आईपीएल 2026 का दूसरा मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा रहा है. इस मैच के जरिए नरेन आईपीएल में अपना 190वां मैच खेलने के लिए मैदान पर उतरे, जिसके साथ वह टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले विदेशी खिलाड़ी बन गए. लिस्ट में कीरोन पोलार्ड 189 मैचों के साथ दूसरे पायदान पर आ गए हैं.

आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले विदेशी खिलाड़ी

सुनील नारायण- 190 मैच
कीरोन पोलार्ड- 189 मैच
एबी डी विलियर्स- 184 मैच
डेविड वार्नर- 184 मैच
डीजे ब्रावो- 161 मैच

सुनील नरेन का आईपीएल करियर - नरेन आईपीएल इतिहास के उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शुमार हैं, जो सिर्फ एक ही टीम के खेले हैं. 2012 में कोलकाता नाइट राइडर्स के जरिए आईपीएल डेब्यू करने वाले नरेन 2026 तक केकेआर का ही हिस्सा हैं.

इन सालों में उन्होंने बॉलिंग करते हुए 187 पारियों में 25.63 की औसत से 192 विकेट चटकाए, जिसमें बेस्ट 5/19 का रहा. वहीं उनकी इकॉनमी 6.79 की रही. इसके अलावा टूर्नामेंट की 122 पारियों में बैटिंग करते हुए नरेन ने 17.62 की औसत और 166.51 के स्ट्राइक रेट से 1780 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने 1 शतक और 7 अर्धशतक लगाए, जिसमें हाई स्कोर 109 रनों का रहा.

सुनील नरेन का अंतर्राष्ट्रीय करियर - नरेन ने अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर में 6 टेस्ट, 65 वनडे और 51 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले. टेस्ट की 11 पारियों में नरेन ने 21 विकेट चटकाए, जिसमें मैच बेस्ट 8/223 का रहा. वनडे की 65 पारियों में नरेन ने 26.46 की औसत से 92 विकेट अपनी झोली में डाले, जिसमें बेस्ट 6/27 का रहा. टी20 इंटरनेशनल की 49 पारियों में कैरेबियाई खिलाड़ी ने 52 विकेट अपनी झोली में डाले, जिसमें बेस्ट 4/12 का रहा. बैटिंग करते हुए टेस्ट में नरेन ने 40 रन बनाए. वनडे में 363 और टी20 इंटरनेशनल में 155 रन स्कोर किए.

चेन्नई सुपर किंग्स की टेंशन बढ़ी, धोनी के बाद डेवाल्ड ब्रेविस भी हो सकते हैं बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी | आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम अपना अभियान राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 30 मार्च, सोमवार से करेगी। इस मुकाबले के 24 घंटे पहले टीम के लिए एक और चिंता बढ़ाने वाली खबर सामने आई है। दरअसल, पहले एमएस धोनी और अब डिवाल्ड ब्रेविस कुछ मैचों से बाहर हो सकते हैं।

रेव स्पोर्ट्ज के अनुसार, डेवाल्ड ब्रेविस साइड स्ट्रेन से परेशान हैं। जिस कारण वह शुरुआती दो-तीन मैच मिस कर सकते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स अपना पहला मैच राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलेगी। फिर 3 अप्रैल को टीम पंजाब किंग्स और 5 अप्रैल को आरसीबी से भिड़ेगी। इन मैचों से एमएस धोनी का बाहर होना लगभग तय है। वहीं अब ब्रेविस को लेकर भी सस्पेंस है कि वह शुरुआती तीन मुकाबले खेल पाएंगे या नहीं।

डेवाल्ड ब्रेविस अगर बाहर हुए तो ये चेन्नई सुपर किंग्स के लिए बहुत बड़ा झटका हो सकता है। इससे पहले नाथन एलिस पूरे सीजन से बाहर हुए थे। फिर धोनी के बाहर रहने की जानकारी मिली, अब ब्रेविस भी शुरुआती मुकाबले मिस कर सकते हैं। ब्रेविस के प्लेइंग 11 में ना होने से टीम मैथ्यू शॉर्ट को विदेशी विकल्प और सरफराज खान को भारतीय बल्लेबाजी विकल्प के तौर पर आजमा सकती है।

चेन्नई सुपर किंग्स ने इससे पहले नाथन एलिस की जगह स्पेन्सर जॉन्सन को चुना था। जॉन्सन भी पूरी तरह फिट नहीं थे और रिहैबिलिटेशन पर थे। टीम ने काफी बड़ा दांव खेला था। अब ब्रेविस की गैरमौजूदगी टीम के मध्यक्रम को कमजोर कर सकती है। आईपीएल 2025 में ब्रेविस ने येलो आर्मी के लिए काफी सुर्खियां बटोरी थीं।

2012 के बाद मुंबई ने पहला ओपनिंग मैच जीता, रोहित-रिकेल्टन के बीच हुई तीसरी बड़ी साझेदारी

मुंबई, एजेंसी | रोहित शर्मा (78) और रेयान रिकेल्टन (81) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से मुंबई इंडियंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मुंबई ने 13 साल से चले आ रहे हार के सिलसिले को भी तोड़ दिया। दरअसल, मुंबई ने पिछली बार 2012 में सत्र का ओपनिंग मुकाबला जीता था। इसके बाद से वह लगातार 13 साल तक ओपनिंग मैच नहीं जीत पाई थी। अब टीम ने केकेआर को हराकर इस अनचाहे रिकॉर्ड से पीछा छुड़ा लिया है।

रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर ने अजिंक्य रहाणे (67) और अंगकृष रघुवंशी (51) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 220 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन की शतकीय साझेदारी की सहायता से 19.1 ओवर में चार विकेट पर 224 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

रोहित-रिकेल्टन ने रखी नींव - 221 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमआई को रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन ने धमाकेदार शुरुआत दी। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 11.5 ओवर में 148 रन की साझेदारी की। रोहित पहले विकेट के रूप में 78 रन बनाकर आउट हुए। 38 गेंदों की अपनी पारी में रोहित ने छह चौके और इतने ही छक्के लगाए। रोहित ने 23 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। आईपीएल में उनका यह सबसे तेज अर्धशतक है। रोहित का आईपीएल का यह 50वां अर्धशतक भी था। रिकेल्टन ने भी 43 गेंदों पर आठ छक्कों और चार चौकों की मदद से 81 रन की पारी खेली। सूर्यकुमार यादव आठ गेंदों पर 16 रन बनाकर आउट हुए। तिलक वर्मा ने 14 गेंदों में 20 रन की पारी खेली। हार्दिक 11 गेंदों पर 18 और नमन धीर दो गेंदों पर पांच रन बनाकर नाबाद रहे।

मैक्स वर्स्टापेन का फॉर्मूला वन में भविष्य पर सस्पेंस, जल्द ले सकते हैं चौंकाने वाला फैसला

F1 जगत में मैक्स वर्स्टापिन के भविष्य को लेकर बहस छिड़ गई है, क्योंकि उन्होंने कहा है कि जिंदगी सिर्फ फॉर्मूला वन तक सीमित नहीं है। मौजूदा सत्र के नियमों और जापान में खराब प्रदर्शन से निराश वर्स्टापिन आने वाले महीनों में अपने करियर को लेकर कोई अहम फैसला कर सकते हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी | फॉर्मूला वन की दुनिया में इस समय कई तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं और इनमें सबसे बड़ा नाम मैक्स वर्स्टापेन का है, जिन्होंने अपने भविष्य को लेकर एक अहम संकेत दिया है। चार बार के विश्व चैंपियन वर्स्टापेन ने कहा है कि आने वाले समय में वह अपने करियर को लेकर गंभीरता से सोचने वाले हैं।

मौजूद जानकारी के अनुसार जापान ग्रां प्री में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। सुजुका सर्किट पर 11वें स्थान से शुरुआत करने के बाद वह आठवें स्थान तक ही पहुंच सके। गौरतलब है कि मौजूदा सत्र में नियमों और इंजन के ढांचे को लेकर वह पहले से ही असंतोष जता चुके हैं।

बता दें कि रेस के दौरान एक ऐसा पल भी देखने को मिला जब उनकी गाड़ी की बैटरी लगभग खत्म हो गई थी और दूसरे ड्राइवर पियरे गैसली आसानी से उन्हें पीछे छोड़ते नजर आए। इस दौरान वर्स्टापेन का हाथ हिलाकर प्रतिक्रिया देना चर्चा का विषय बन गया है।

मौजूद जानकारी के अनुसार क्वालिफाइंग के बाद वर्स्टापेन ने कहा था कि उन्हें अपने भविष्य को लेकर कई चीजों पर विचार करना है। जब उनसे इस बारे में दोबारा पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि वह फॉर्मूला वन में अपने आगे के रास्ते को लेकर सोच रहे हैं।

गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण अप्रैल में बहरीन और सऊदी अरब ग्रां प्री रद्द कर दिए गए हैं, जिससे खिलाड़ियों को लंबा ब्रेक मिला है। वर्स्टापेन ने संकेत दिया है कि वह इसी दौरान आने वाले हफ्तों और महीनों में अपने भविष्य पर फैसला ले सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि जिंदगी सिर्फ फॉर्मूला वन तक सीमित नहीं है और आगे कई विकल्प मौजूद हैं। उनके इस बयान से यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि अगर परिस्थितियां उनके मुताबिक नहीं रहीं तो वह बड़े फैसले लेने से पीछे नहीं हटेंगे।

मौजूद जानकारी के अनुसार वर्स्टापेन का मानना है कि फॉर्मूला वन में बने रहने के लिए खेल का मजेदार बने रहना जरूरी है। उनके इस बयान ने फैंस और विशेषज्ञों के बीच नई बहस छेड़ दी है कि क्या आने वाले समय में वह इस खेल से दूरी बना सकते हैं।

व्यापार

अगले हफ्ते इन कंपनियों की होगी मार्केट में एंट्री, निवेशकों के लिए बन सकता है कमाई का मौका

30 मार्च से शुरू हो रहे सप्ताह में IPO बाजार में ज्यादा हलचल देखने को नहीं मिलेगी, क्योंकि इस दौरान कोई नया इश्यू खुलने की उम्मीद नहीं है. हालांकि निवेशकों के लिए यह हफ्ता शांत भी नहीं रहेगा...

नई दिल्ली, एजेंसी | 30 मार्च से शुरू हो रहे सप्ताह में IPO बाजार में ज्यादा हलचल देखने को नहीं मिलेगी, क्योंकि इस दौरान कोई नया इश्यू खुलने की उम्मीद नहीं है. हालांकि निवेशकों के लिए यह हफ्ता पूरी तरह शांत भी नहीं रहेगा.

कुछ कंपनियां शेयर बाजार में लिस्ट होने जा रही हैं. इनमें सबसे ज्यादा ध्यान Coal India की सब्सिडियरी Central Mine

Planning and Design Institute Ltd पर रहेगा, जिसकी लिस्टिंग सोमवार को होने वाली है. आइए जानते हैं, इस विषय में विस्तार से...

इस हफ्ते कई कंपनियों की होगी बाजार में एंट्री

आने वाले दिनों में कुल 6 कंपनियां शेयर बाजार में डेब्यू करने वाली हैं. जिनमें मेनबोर्ड और SME दोनों कैटेगरी की कंपनियां शामिल हैं. इस दौरान एमियाक टेक्नोलॉजीज का IPO अभी खुला है और इसमें निवेश का मौका अगले हफ्ते तक बना रहेगा.

वहीं पॉवरिका लिमिटेड और साई पैरेंट्रल जैसी कंपनियों के शेयर भी इसी सप्ताह बाजार में लिस्ट होने की संभावना है. जिससे निवेशकों की नजर इन शेयरों पर हो सकती हैं.

निवेशक रख रहे हैं सोच-समझकर कदम

IPO मार्केट में निवेशक अभी थोड़ा सतर्क रूख अपना रहे हैं. खासकर रिटेल निवेशकों की भागीदारी कम होने से यह संकेत मिल रहा है कि लोग अब निवेश से पहले ज्यादा सोच-विचार कर रहे हैं.

भले ही नए IPO नहीं आ रहे हों, लेकिन लिस्टिंग के चलते बाजार में हलचल बने रहने की उम्मीद की जा रही है. इस दौरान कई निवेशक नए इश्यू की बजाय लिस्टिंग से होने वाले संभावित मुनाफे पर ज्यादा ध्यान दे सकते हैं.

जॉब कट का खतरा! 600 कर्मचारियों पर गिर सकती है छंटनी की गाज

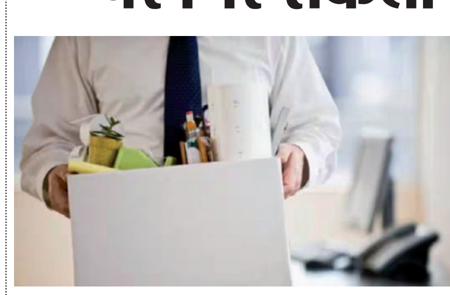

नई दिल्ली, एजेंसी | अकाउंटिंग फर्म KPMG UK में कर्मचारियों की छंटनी को लेकर खबरें सामने आई हैं. बताया जा रहा है कि कंपनी के ऑडिट और एडवाइजरी विभाग में काम करने वाले करीब 600 लोगों की नौकरियों पर खतरा मंडरा रहा है. जिससे इन विभागों में काम करने वाले कर्मचारियों के बीच अनिश्चितता का माहौल बना हुआ हैं...

ऑडिट और एडवाइजरी टीम पर असर - ब्लूमबर्ग न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी के अंदर जारी एक मेमो में कर्मचारियों को संकेत दिया गया है कि छंटनी की संभावना है. अंतिम फैसला रेडंडेंसी कंसल्टेशन प्रक्रिया के बाद ही लिया जाएगा.

मिली जानकारी के अनुसार ऑडिट डिविजन में करीब 7,100 कर्मचारी काम करते हैं. इसमें से लगभग 440 लोगों की नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं. जिससे इस विभाग में चिंता का माहौल बना हुआ है. साथ ही एडवाइजरी विभाग के करीब 120 लोगों पर छंटनी का खतरा मंडरा रहा है. बैक ऑफिस स्टाफ और इकोनॉमिक्स टीम के सदस्य भी इस छंटनी से प्रभावित हो सकते हैं.

मीडिया रिपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार, फर्म में बेंच पर बैठे कर्मचारियों की संख्या ज्यादा होना इस छंटनी की वजह हो सकती है. साथ ही नए प्रोजेक्ट्स का कम मिलना और पहले से चल रहे कुछ प्रोजेक्ट्स का खत्म होना या नुकसान में जाना इस छंटनी की वजह बताई जा रही है.

बाजार हालात के चलते लिया जा रहा फैसला - KPMG UK के प्रवक्ता के मुताबिक, मौजूदा बाजार स्थिति को देखते हुए ऑडिट डिवीजन के कुछ हिस्सों में कर्मचारियों की संख्या को संतुलित करना जरूरी हो गया है. उनका कहना है कि यह निर्णय सोच-समझकर लिया जा रहा है.

रिपोर्ट में बताया गया है कि इस प्रक्रिया का असर मुख्य रूप से असिस्टेंट मैनेजर और क्वालिफाइड अकाउंटेंट्स पर पड़ सकता है. अनुमान है कि ऑडिट विभाग के करीब 6 प्रतिशत कर्मचारी इससे प्रभावित हो सकते हैं.

1 अप्रैल से लागू होंगे आरबीआई के लिए डिजिटल पेमेंट्स के नए नियम, जानें क्या कुछ बदलेगा?

नई दिल्ली, एजेंसी | डिजिटल पेमेंट्स के लिए RBI के नियम 1 अप्रैल, 2026 से बदलने जा रहे हैं. दरअसल, भारतीय रिजर्व बैंक डिजिटल पेमेंट्स के लिए एक नया 'प्रिंसिपल बेस्ड फ्रेमवर्क' (Priciple-based framework) लागू करने जा रहा है. इसका मकसद फिशिंग और सिम-स्वैप जैसे ऑनलाइन फ्रॉड को रोकना और डिजिटल पेमेंट को अधिक सिक्योर बनाना है.

1 अप्रैल से होने वाले बदलाव

अब से सभी डिजिटल ट्रांजैक्शन (UPI, कार्ड, वॉलेट) के लिए टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन जरूरी होगा.

ट्रांजैक्शन के दौरान अब सिर्फ SMS पर आया OTP काफी नहीं होगा. लेनदेन को प्रमाणित करने के लिए एक अतिरिक्त सुरक्षा स्तर की आवश्यकता होगी.

नए नियमों के तहत, कम से कम एक ऑथेंटिकेशन फैक्टर डायनेमिक होने चाहिए, जो खासतौर पर उसी ट्रांजैक्शन के लिए बना हो.

वेरिफिकेशन के लिए बैंक और पेमेंट कंपनियों के पास बायोमेट्रिक्स, पिन/पासवर्ड, बैंकिंग ऐप टोकन जैसे कई ऑप्शंस होंगे.

अगर सिक्योरिटी सिस्टम में किसी भूल-चूक से ग्राहक को कोई नुकसान पहुंचता है, तो इसकी

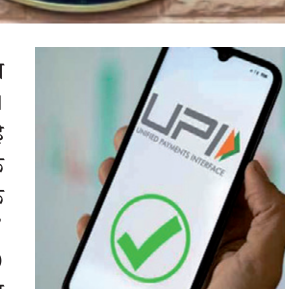

जवाबदेही बैंकिंग और संबंधित संस्थानों की होगी.

क्या होंगे इसके फायदे?

नए नियम के चलते मान लीजिए अगर किसी को आपके मोबाइल पर आए OTP के बारे में पता भी लग जाए, तो भी वह पेमेंट नहीं कर पाएगा क्योंकि उसके पास आपका फिंगरप्रिंट या दूसरा सिक्योरिटी लेवल नहीं होगा. पहले आप दुकान पर जाकर सीधे स्कैन कर पेमेंट कर देते थे, लेकिन अब PIN डालने के साथ आपसे फिंगरप्रिंट, डिजिटल कोड वगैरह मांगा जा सकता है.

इससे सिम-स्वैप से भी सुरक्षा मिलेगी. कई बार हैकर्स आपके नाम से दूसरा सिम निकाल लेते हैं, लेकिन अब सिर्फ किसी के नाम से अपने पास सिम होना काफी नहीं होगा.

अब से अगर कोई आपके फोन से बड़ी रकम ट्रांजैक्शन करने की कोशिश करेगा, तो उससे सिस्टम अपने आप ही एक्स्ट्रा वेरिफिकेशन मिलेगा.

5 टुकड़ों में बंटने जा रही माइनिंग दिग्गज वेदांता लिमिटेड, सीईओ अनिल अग्रवाल ने किया खुलासा

माइनिंग दिग्गज वेदांता पांच लिस्टेड कंपनियों में बंटने जा रही है. कंपनी के फाउंडर और चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने इसकी पुष्टि की है.

नई दिल्ली, एजेंसी | भारत की दिग्गज माइनिंग और मेटल कंपनी वेदांता (Vedanta) अप्रैल में पांच लिस्टेड कंपनियों में बंटने जा रही है. कंपनी के फाउंडर और चेयरमैन अनिल अग्रवाल के हवाले से फाइनेंशियल टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी है.

उनका कहना है कि इस कदम से कंपनी और उसकी नई यूनिट्स को आगे बढ़ने की पूरी आजादी मिलेगी. अभी वेदांता लिमिटेड तेल और गैस, एल्युमीनियम, जिंक, स्टील

और पावर सेक्टर में अपना अलग-अलग बिजनेस एक साथ चलाती है, लेकिन अब इसे 6 स्वतंत्र लिस्टेड कंपनियों (एक पुरानी और पांच नई) में तोड़ने जा रही है.

कौन सी नई कंपनियां बनेंगी?

वेदांता एल्युमीनियम- एल्युमीनियम का कारोबार संभालेगी.

वेदांता ऑयल एंड गैस- तेल और गैस का बिजनेस देखेगी.

वेदांता स्टील एंड फेरस- लोहे और स्टील के बिजनेस का देखरेख करेगी.

वेदांता बेस मेटल्स- कॉपर और जिंक बिजनेस संभालेगी.

वेदांता पावर- बिजली उत्पादन का काम देखेगी.

वेदांता लिमिटेड- इंवेस्टमेंट और नए बिजनेस देखेगी जैसे की सेमीकंडक्टर

क्यों वेदांता ने लिया डीमर्जर का फैसला?

कंपनी ने अपने ऊपर से कर्ज के बोझ को कम करने के लिए यह फैसला लिया है. वेदांता ग्रुप की कंपनियों, खासकर वेदांता रिसोर्सेज पर बहुत ज्यादा कर्ज है. दिसंबर 2025 के अंत तक कंपनी पर लगभग 60624 करोड़ का कर्ज है. इसमें से वेदांता रिसोर्सेज पर मार्च 2025 तक लगभग 4.9 अरब डॉलर (41000 करोड़) रुपये का कर्ज है.

अनिल अग्रवाल ने बताया कि अगले तीन सालों में इस कर्ज को 3 अरब डॉलर कम किया जाएगा. डीमर्जर के बाद इस कर्ज को नई बनने वाली पांच कंपनियों में उनके कैश फ्लो और संपत्ति के आधार पर बांटा जाएगा. कंपनियां अलग होंगी, तो उनकी वैल्यू बढ़ेगी, जिससे जरूरत पड़ने पर हिस्सेदारी बेचकर कर्ज चुकाया जा सकता है. कंपनी का लक्ष्य कर्ज और मुनाफे के अनुपात को घटाना है. इसके अलावा, कंपनियां अलग होने से उनका मैनेजमेंट और बोर्ड अलग होगा, जिससे काम में तेजी आएगी और मुनाफा बढ़ेगा.

निवेशकों को फायदा

कंपनी के डीमर्जर से निवेशकों को फायदा होना है क्योंकि अगर अभी किसी के पास वेदांता लिमिटेड का 1 शेयर है, तो डीमर्जर के पास कुल 6 शेयर हो जाएंगे. वेदांता लिमिटेड का शेयर तो रहेगा ही, साथ ही 5 नई कंपनियों के शेयर भी मुफ्त में मिलेंगे. इसके लिए अलग से कोई पैसा नहीं देना होगा.डीमर्जर की प्रक्रिया 1 अप्रैल से शुरू होगी और मई के मध्य तक नई कंपनियां मार्केट में लिस्ट हो सकती हैं.

वामिका गब्बी बनीं मेकर्स की पहली पसंद

सिर्फ मलयालम में ही नहीं, वामिका तमिल सिनेमा में फेंटसी फिल्म 'जिनी' में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाली है। फिल्म का निर्देशन अर्जुनन जूनियर कर रहे हैं और फिल्म में वामिका के अलावा, जयम रवि और कल्याणी प्रियदर्शन भी लीड रोल में हैं। अभी तक फिल्म का पोस्टर सामने आया है जिसमें सभी लोग काल्पनिक किरदारों में दिख रहे हैं। फिल्म इसी साल, 2026, में रिलीज होगी।

अक्षय कुमार के साथ 'भूत-बंगला' से सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली वामिका गब्बी के लिए साल 2026 बेहतरीन होने वाला है क्योंकि अभिनेत्री सिर्फ हिंदी सिनेमा में ही नहीं, बल्कि मलयालम और तमिल सिनेमा में भी धूम मचाने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री की एक नहीं, बल्कि 7 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर इस साल दस्तक दे सकती हैं, जो कॉमेडी से लेकर एक्शन के जॉनर में होने वाली हैं। इन सभी फिल्मों में अभिनेत्रियों का अलग-अलग अवतार फैंस को देखने को मिलने वाला है। वामिका 'भूत-बंगला' के साथ 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। फिल्म हॉरर और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल होने वाली है। फिल्म को प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं, और ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि दर्शक डरने के साथ पेट पकड़कर हंसने भी वाले हैं। वामिका 4 साल बाद मलयालम सिनेमा में वापसी के लिए तैयार हैं। वह 'टिकी टाका' फिल्म में अभिनेत्री आसिफ अली के साथ लीड रोल में दिखने वाली हैं। फिल्म पहली 2025 में दिसंबर के महीने में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब फिल्म मई के महीने में रिलीज हो सकती है। फिल्म का निर्देशन रोहित वीएस कर रहे हैं, जो पहले से ही अपनी एक्शन से भरपूर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

सिर्फ मलयालम में ही नहीं, वामिका तमिल सिनेमा में फेंटसी फिल्म 'जिनी' में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाली है। फिल्म का निर्देशन अर्जुनन जूनियर कर रहे हैं और फिल्म में वामिका के अलावा, जयम रवि और कल्याणी प्रियदर्शन भी लीड रोल में हैं। अभी तक फिल्म का पोस्टर सामने आया है जिसमें सभी लोग काल्पनिक किरदारों में दिख रहे हैं। फिल्म इसी साल, 2026, में रिलीज होगी।

इसके अलावा वामिका 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' और 'पति पत्नी और वो दो' में दिखने वाली हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' रोमांटिक और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल है, जबकि 'पति पत्नी और वो दो' में जबरदस्त कॉमेडी और रिश्तों की नोक-झोंक दिखने वाली है। दोनों ही फिल्में इसी साल पर्दे पर रिलीज होने वाली हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' की शूटिंग भी लगभग पूरी हो चुकी है। वामिका 'किकली' के जरिए पंजाबी सिनेमा में भी एक्शन करती नजर आने वाली है। 'किकली' आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म में मंदी तखर और जोबनप्रीत लीड रोल में हैं। फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन माना जाता है कि फिल्म इस साल के आखिर तक रिलीज हो जाएगी। वहीं, अभिनेत्री एक्शन और थ्रिलर से भरी फिल्म 'जी-2' में भी दिखने वाली है। कहा जाता रहा है कि फिल्म मई के आखिर में रिलीज हो सकती है।

करण कुंद्रा-स्प्लिट्सविला के कंटेस्टेंट्स को संभालना बच्चों को संभालने जैसा है

अभिनेता करण कुंद्रा इन दिनों लोकप्रिय भारतीय डेटिंग रियलिटी शो एमटीवी स्प्लिट्सविला के 16वें सीजन में नजर आ रहे हैं। इस शो में करण के साथ सनी लियोनी भी मेजबानी कर रही हैं। करण ने हाल में आईएएनएस के साथ खास बातचीत में बताया कि शो में सनी लियोनी और उन्होंने इस शो को अच्छे से करने में पूरा और जान लगा दी है। उन्होंने कहा, 'हमने इस प्रोजेक्ट के लिए अपना दिल और जान सब लगाया है क्योंकि हमारे लिए शो में 32 कंटेस्टेंट्स को संभालना अपने बच्चों को संभालने के बराबर है। शो के दौरान हम उनकी भावनाओं से जुड़ते हैं और उनकी बात को अच्छे से समझाने की कोशिश करते हैं।' शो के दौरान करण कुंद्रा और सनी लियोनी कंटेस्टेंट्स के इमोशंस को बहुत ध्यान से हैंडल करते हैं। शो में प्यार, रिश्ते और चुनौतियों पर आधारित कई दिलचस्प टास्क होते हैं। दोनों होस्ट्स कंटेस्टेंट्स को सही सलाह देते हैं और उन्हें समझाते हैं कि जीवन में क्या सही है। अभिनेता ने इसे लेकर कहा कि जब मेरे और सनी के बच्चे बड़ें होंगे और वे पीछे मुड़कर देखेंगे कि उनके माता-पिता ने किस तह के प्रोजेक्ट पर काम किया है, तो वे हम पर गर्व करेंगे। करण ने कहा, 'जब हमारे बच्चे इस शो को पीछे मुड़कर देखेंगे और अपने माता-पिता को स्क्रीन पर देखेंगे, तो वे कहेंगे कि 'हमारे माता-पिता सच में बहुत कमाल के हैं।' ' एमटीवी 'स्प्लिट्सविला एक्स 6' एक डेटिंग रियलिटी शो है, जो एमटीवी इंडिया पर आता है। शो के अब तक 16 सीजन आ चुके हैं और इस शो को सनी लियोनी और करन कुंद्रा होस्ट कर रहे हैं। वहीं, उर्फी और निया भी नजर आ रही हैं। इनका काम प्रतियोगियों को चुनौती देना और खेल में बाधाएं डालना होगा। वे हर कदम पर प्रतियोगियों को उलझाएंगी और उन्हें अपने निर्णयों पर दोबारा सोचने के लिए मजबूर करेंगी। स्प्लिट्सविला शो 9 जनवरी से एमटीवी चैनल और ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर प्रसारित हो रहा है।

'श्री 420' का होगा टीवी पर प्रसारण

छठ के पावन पर्व के दौरान फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था और दर्शकों ने खूब पसंद भी किया था। अब दर्शक टीवी पर दो दिन इस फिल्म को देख पाएंगे। खेसारी लाल यादव की फिल्में हमेशा से मनोरंजन का बड़ा जरिया रही हैं। उनके फैंस लंबे समय से इस फिल्म के टीवी प्रीमियर का इंतजार कर रहे थे।

भोजपुरी सिनेमा के लोकप्रिय गायक और अभिनेता खेसारी लाल यादव जल्द ही कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'श्री420' टीवी पर लेकर आ रहे हैं। गुरुवार को मेकर्स ने फिल्म के टेलीविजन प्रसारण की तारीख का ऐलान कर दिया है। मेकर्स ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर लिखा, 'श्री 420 का विश्व टेलीविजन प्रीमियर दो दिन होगा। दर्शक फिल्म को 28 मार्च की शाम 6:30 बजे और 29 मार्च को सुबह 9:30 बजे आराम से फिल्म का मजा ले सकेंगे।' खेसारी लाल यादव भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे लोकप्रिय सितारों में से एक हैं। वे न सिर्फ अच्छे अभिनेता हैं, बल्कि बेहतरीन गायक भी हैं। उनके गाने और फिल्में पूरे बिहार, झारखंड और पूर्वांचल में खूब पसंद की जाती हैं। फिल्म 'श्री 420' में खेसारी ठग के रोल में नजर आएंगे, जो कॉमेडी और एक्शन से भरपूर है। फिल्म में उनके साथ मधु शर्मा और श्वेता म्हारा जैसी अभिनेत्रियां भी मुख्य भूमिका में हैं। छठ के पावन पर्व के दौरान फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था और दर्शकों ने खूब पसंद भी किया था। अब दर्शक टीवी पर दो दिन इस फिल्म को देख पाएंगे। खेसारी लाल यादव की फिल्में हमेशा से मनोरंजन का बड़ा जरिया रही हैं। उनके फैंस लंबे समय से इस फिल्म के टीवी प्रीमियर का इंतजार कर रहे थे।

कॉमेडी से भरपूर फिल्म में खेसारी फिल्म में ठग के रोल में नजर आएंगे, जो चतुराई से अपने मिशन को अंजाम देता है। फिल्म का टाइटल पुरानी क्लासिक 'श्री 420' से प्रेरित है, लेकिन कहानी पूरी तरह नई और मनोरंजक है। 'श्री 420' में खेसारी लाल यादव के साथ मधु शर्मा और श्वेता महारा अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म में खेसारी लाल यादव के साथ संजय पांडे, समर्थ चतुर्वेदी, प्रकाश जैस, श्रद्धा नवल, निशा गुप्ता, श्लेषा मिश्रा, निशा गुप्ता, अलीशा शर्मा, उमाकांत राय, राहुल श्रीवास्तव, सोनू पांडेय, चंदन कश्यप, तवी तिवारी, अमन सिंह, कृति तिवारी, दिव्या यादव, सुनीता वर्मा, आयुषी पांडेय, दिव्या सिंह, बेबी सृष्टि जैसे कलाकार भी अहम किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म को मधु शर्मा और समीर आफताब ने प्रोड्यूस किया है। गाने का संगीत कृष्णा बेदर्दी ने तैयार किया है।

'सिनेमा में बढ़नी चाहिए महिलाओं की भागीदारी'

कंगना रनौत

नई दिल्ली के भारत मंडपम में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का आगाज हो चुका है, जो 30 मार्च तक चलेगा। फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह में कंगना रनौत, हेमा मालिनी, विक्की कौशल, सान्या माल्होत्रा, सिद्धांत चतुर्वेदी, अनुपम खेर और लॉरेन गॉटलिब जैसे स्टार्स को देखा गया। समारोह में पहुंची भाजपा सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने सिनेमा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की बात की। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'अगर महिलाओं को प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा, तो हम उनके दृष्टिकोण को नहीं समझ पाएंगे। इसीलिए महिलाओं को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। धीरे-धीरे, जिस तरह प्रधानमंत्री इसे राजनीति में ला रहे हैं, मुझे लगता है कि फिल्मों को भी महिलाओं के लिए मंच प्रदान करना चाहिए, चाहे वह फिल्म समारोहों के माध्यम से हो, स्टूडियो के समर्थन से हो या उनके संघर्षों को प्रदर्शित करके हो, भले ही वे छोटे ही क्यों न हों। उन्हें किसी भी तरह से प्रोत्साहित करना एक बड़ा कदम होगा। '

समारोह में पहुंचे अभिनेता अरविंद स्वामी ने एआई पर अपने विचार रखे। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की क्षमताओं का दायरा बहुत ही व्यापक होने वाला है। भविष्य में हम बिना किसी की मदद के भी फिल्में बना सकेंगे, यहां तक ??कि एक व्यक्ति भी पूरी फीचर फिल्म बना सकता है। उपकरण बहुत तेजी से विकसित हो रहे हैं। अभी इसका इस्तेमाल छोटे पैमाने पर किया जा रहा है, लेकिन भविष्य में उसका स्तर बढ़ने वाला है।

समारोह में पहुंचे अभिनेता अरविंद स्वामी ने एआई पर अपने विचार रखे। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की क्षमताओं का दायरा बहुत ही व्यापक होने वाला है। भविष्य में हम बिना किसी की मदद के भी फिल्में बना सकेंगे, यहां तक ??कि एक व्यक्ति भी पूरी फीचर फिल्म बना सकता है। उपकरण बहुत तेजी से विकसित हो रहे हैं। अभी इसका इस्तेमाल छोटे पैमाने पर किया जा रहा है, लेकिन भविष्य में उसका स्तर बढ़ने वाला है। बता दें कि अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र को विशेष श्रद्धांजलि दी जाएगी। इसके साथ ही अभिनेता को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड भी दिया जाएगा। इस बात की जानकारी खुद हेमा मालिनी ने दी। धर्मेंद्र के अलावा, शर्मिला टैगोर को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने किया। पांच दिन चलने वाले कार्यक्रम में सिनेमा के कई सितारे शिरकत करने वाले हैं।

एक और एक ग्यारह की यादों में खोए जैकी श्रॉफ, 23 साल पूरे होने का मनाया जश्न

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता संजय दत्त और गोविंदा जब भी किसी फिल्म में साथ में आए हैं, तो स्क्रीन पर धमाल मचा देते हैं। उनकी जोड़ी हमेशा ही दर्शकों को खूब पसंद आई है। ऐसे ही दोनों एक्शन-कॉमेडी फिल्म एक और एक ग्यारह में नजर आए थे। फिल्म में जैकी भी मेजर राम सिंह के किरदार में नजर आए थे। फिल्म में भले ही वह सहायक भूमिका में नजर आए थे, लेकिन दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी। फिल्म ने रिलीज के 23 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने पुरानी यादों को ताजा कर दिया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में फिल्म के पुराने सीन शामिल हैं। जैकी ने लिखा, फिल्म एक और एक ग्यारह के 23 साल पूरे हो गए हैं। डेविड धवन द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक्शन और कॉमेडी का बेहतरीन मिश्रण थी। इसमें गोविंदा, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ (मेजर राम सिंह), अमृता अरोड़ा, नंदिनी सिंह, गुलशन ग्रोवर और राजपाल यादव अहम भूमिका में थे। फिल्म को सुभाष घई के बैनर मुक्ता आर्ट्स के जरिए रिलीज किया गया था। यह फिल्म अपनी कॉमेडी और सितारों की जुगलबंदी के लिए जानी जाती है, जो मुसीबत में फंसकर एक खतरनाक अपराधी कोबरा (आशीष विद्यार्थी) से बदला लेने की कसम खाते हैं। फिल्म का संगीत शंकर-एहसान-लॉय ने तैयार किया था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। फिल्म के सबसे हिट गानों में ओ दुश्मना (सोनू निगम, सौम्या राव), बेईमान मोहब्बत (शंकर महादेवन, केके), मेन जोगिया और शीर्षक गीत एक और एक ग्यारह शामिल हैं। ये गाने अपनी मस्ती और कॉमेडी के लिए जाने जाते हैं। अगर किसी ने फिल्म एक और ग्यारह देखी है, तो उन्हें इसका लोकप्रिय गीत एक और एक ग्यारह जरूर याद होगा। यह गाना और गानों के मुकाबले ज्यादा लोकप्रिय रहा था। वहीं, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस में अच्छी कमाई की थी।

प्रधानमंत्री ने मन की बात के माध्यम से की अपील- - युद्ध के बीच अफवाहों में न आएं देशवासी'

प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात प्रसारण को युवा साथियों के साथ सुना

साधना एक्सप्रेस भोपाल

भोपाल 'देश के प्रधानमन्त्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को उत्तर विधानसभा गुरु नानक मंडल के वार्ड न 10 के बूथ क्रमांक 30 पर सागर गैरे पर भाजपा जिला मंत्री राकेश कुकरेजा ने युवा साथियों ने सुना।

पीएम मोदी ने मन की बात के मध्यम से संघर्ष के बीच देशवासियों से अपील करते हुए कहा, 'जिस क्षेत्र में अभी युद्ध चल रहा है, वह हमारी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा केंद्र है। इसकी वजह से दुनिया भर में पेट्रोल, डीजल को लेकर संकट की स्थिति बनती जा रही है। हमारे वैश्विक संबंध, अलग-अलग देशों से मिल रहा सहयोग और पिछले 1 दशक में देश का जो सामर्थ्य बना है उसकी वजह से भारत इन परिस्थितियों का डटकर मुकाबला कर रहा है। मैं आज मन की बात के माध्यम से देशवासियों से आग्रह करूंगा कि हमें एकजुट होकर इस चुनौती से बाहर निकलना है। जो लोग इस विषय पर भी राजनीति कर रहे हैं उन्हें राजनीति नहीं करनी चाहिए। यह 140 करोड़ देशवासियों के हित से जुड़ा विषय है। ऐसे में जो लोग अफवाह फैला रहे हैं, वे देश का नुकसान कर रहे हैं। मैं देशवासियों से अपील करूंगा कि वे जागरूक रहें, अफवाहों में न आएं और सरकार की तरफ से निरंतर जो जानकारी दी जा रही है उसी पर विश्वास करें।'

इस अवसर पर वरिष्ठ नेता राजा शर्मा, महामन्त्री संदीप कल्याणे, अनिल थारवानी, बूथ अध्यक्ष पंकज मालवीय, आई टी प्रभारी प्रभात मालवीय,जितेंद्र ठकुरिया, चंदू यादव सहित बड़ी संख्या मे युवा साथी उपस्थित थे।

भोपाल के मिसरोद में सुनी गई प्रधानमंत्री की "मन की बात", युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर रहे मौजूद

साधना एक्सप्रेस भोपाल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात का प्रसारण रविवार को राजधानी भोपाल के मिसरोद क्षेत्र में भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं द्वारा सामूहिक रूप से सुना गया। कार्यक्रम में भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर विशेष रूप से मौजूद रहे।

इस दौरान श्याम टेलर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की "मन की बात" देशवासियों को सकारात्मक सोच और जनभागीदारी के लिए प्रेरित करने वाला कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री समाज के विभिन्न वर्गों की प्रेरणादायक कहानियों और देशहित के मुद्दों को देश के सामने रखते हैं।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। सभी ने प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और देश के विकास में अपनी भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं ने कहा कि "मन की बात" कार्यक्रम से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और युवाओं को देश के लिए कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

भ्रष्टाचार पर भारी पड़ी ईमानदारी : मुख्यमंत्री के विजन और डॉ. संजय गोयल की कार्यशैली से बदली तस्वीर

साधना एक्सप्रेस भोपाल,

मध्यप्रदेश का स्कूल शिक्षा विभाग इन दिनों एक बड़े और सकारात्मक बदलाव का साक्षी बन रहा है। जहाँ कभी किताबों की देरी,साइकिल वितरण में लापरवाही और घटिया सामग्री की शिकायतें आम बात थीं। वहीं अब व्यवस्था पूरी तरह बदलती नजर आ रही है। इस बदलाव के केंद्र में हैं मुख्यमंत्री मोहन यादव,स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह और शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. संजय गोयल, जिनकी तिकड़ी ने मिलकर शिक्षा विभाग को एक नई दिशा दी है।

'हमारे शिक्षक' एप के जरिए सिस्टम पर शिक्षकों की सीधी नजर

भ्रष्टाचार पर सबसे बड़ा प्रहार करते हुए शिक्षा विभाग ने 'हमारे शिक्षक' एप के माध्यम से एक क्रांतिकारी पहल की है। अब प्रदेश के लाखों शिक्षक स्कूलों में सप्लाई होने वाली किताबों,प्रिंटेड सामग्री और शैक्षणिक किट की गुणवत्ता का स्वयं सत्यापन करेंगे। यह कदम केवल तकनीकी सुधार नहीं बल्कि व्यवस्था को जमीनी स्तर तक पारदर्शी बनाने का मजबूत माध्यम है। पहले जहाँ कुछ वेंडर्स प्रभाव और दबाव के जरिए घटिया सामग्री पास करा लेते थे,अब वही सामग्री सीधे शिक्षकों की निगरानी में है। साफ है की अब भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं बची है। इस फैसले ने उन सप्लायर्स और वेंडर्स की नींद उड़ा दी है,जो वर्षों से सिस्टम की खामियों का फायदा उठा रहे थे। अब उन्हें पता है कि जमीनी स्तर पर काम करने वाले शिक्षक न तो दबाव में आते हैं और न ही समझौता करते हैं।

डॉ. संजय गोयल की 'जीरो टॉलरेंस' नीति ने साफ कर दिया है कि अब या तो गुणवत्ता होगी या फिर रास्ता बंद होगा। यही कारण है कि विभाग में वर्षों से जमे भ्रष्टाचार के नेटवर्क की कमर टूटती नजर आ रही है।

जो पहले नामुमकिन था अब हकीकत बनेगा

इस 'रिफॉर्म अवतार' का सबसे बड़ा उदाहरण है 1 अप्रैल से ही नए सत्र की समय पर शुरुआत। पहले जहाँ सत्र शुरू होने के महीनों बाद तक बच्चों को किताबें नहीं मिलती थीं,वहीं अब पहले ही दिन 100% किताबें छात्रों के हाथों में हैं। यह उपलब्धि केवल प्रशासनिक नहीं,बल्कि एक मजबूत रणनीति,सख्त मॉनिटरिंग और टीमवर्क का परिणाम है। डॉ. गोयल ने टेक्स्टबुक वितरण की पूरी व्यवस्था को इस तरह व्यवस्थित किया कि दूर-दराज के गांवों तक भी किताबों की कमी नहीं रही।

साइकिल वितरण बनी बच्चों के चेहरे पर मुस्कान

इस वर्ष एक और ऐतिहासिक पहल के तहत सत्र के पहले दिन से ही बच्चों को निशुल्क साइकिलें मिलनी शुरू हो गई हैं। पहले जिन साइकिलों के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता था,अब वे समय पर उपलब्ध हैं। इससे न केवल छात्रों का उत्साह बढ़ा है,बल्कि स्कूल छोड़ने वाले बच्चों (ड्रॉप-आउट) की संख्या में भी कमी आने की उम्मीद है। यह कदम खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के लिए बेहद लाभकारी साबित होगा। इस बदलाव का सबसे बड़ा असर अब साफ नजर आने लगा है। जहाँ पहले अभिभावक अपने बच्चों का दाखिला प्राइवेट स्कूलों में कराने के लिए सिफारिशें ढूंढते थे,वहीं अब सरकारी स्कूलों में एडमिशन के लिए लाइनें लग रही हैं। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर तेजी से सुधर रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव का 'सबका साथ, सबका विकास' का विजन अब धरातल पर साकार होता दिखाई दे रहा है, जहां गरीब से गरीब परिवार के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है।

साजिशें नाकाम,ईमानदारी को मिला पूरा समर्थन

सूत्रों के मुताबिक जिन लोगों की दाल इस नई व्यवस्था में नहीं गल रही, वे तरह-तरह की साजिशें रचने में जुटे हैं। लेकिन मुख्यमंत्री स्तर से मिले स्पष्ट निर्देश के कारण ऐसी हर कोशिश नाकाम साबित हो रही है।

मोहन सरकार ने साफ संकेत दे दिया है कि ईमानदार अधिकारियों के साथ कोई समझौता नहीं होगा और भ्रष्टाचार करने वालों को बिल्कुल भी बख्शा नहीं जाएगा। इस पूरे बदलाव में केवल नेतृत्व ही नहीं,बल्कि शिक्षा विभाग की पूरी टीम की दिन-रात की मेहनत शामिल है। डॉ. संजय गोयल के नेतृत्व में अधिकारियों और कर्मचारियों ने जिस समर्पण के साथ काम किया है, उसने यह साबित कर दिया है कि यदि नीयत साफ हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। आज मध्यप्रदेश का शिक्षा विभाग देश के लिए एक रोल मॉडल बनता जा रहा है। जहाँ योजनाएँ केवल कागजों तक सीमित नहीं रहतीं,बल्कि समय पर जमीन पर उतरती हैं। कुल मिलाकर यह पूरा बदलाव एक स्पष्ट संदेश देता है,जब नेतृत्व मजबूत हो। नीति साफ हो और नीयत ईमानदार हो,तो भ्रष्टाचार पर जीत तय होती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का विजन,शिक्षा विभाग के मंत्री राव उदय प्रताप सिंह का मार्गदर्शन और डॉ. संजय गोयल की सख्त कार्यशैली ने मिलकर शिक्षा विभाग की तस्वीर बदल दी है। आज मध्यप्रदेश में शिक्षा केवल एक व्यवस्था नहीं,बल्कि एक मिशन बन चुकी है। जहाँ हर बच्चे तक बेहतर संसाधन,समय पर सुविधाएँ और उज्ज्वल भविष्य की गारंटी पहुँच रही है।

मध्य प्रदेश नगरीय विकास एवम आवास विभाग द्वारा जारी एल्डरमैन की सूची हुई जारी

मनगवां विधायक इंजीनियर नरेंद्र प्रजापति के अनुसंसा पर पार्टी के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओ को मिला मौका

साधना एक्सप्रेस रीवा मनगवां

1_लवकुश गुप्ता

नगर परिषद मनगवा वार्ड क्रमांक पांच के निवासी है भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता वा पूर्व पार्षद जिला विकाश सलाहकार समिति के सदस्य विधानसभा मनगवां एस आई आर के प्रभारी लवकुश गुप्ता जी को एल्डरमैन बनाया गया है जिनका पारिवारिक पृष्ठभूमि भाजपा का रहा है पार्टी के प्रति समर्पित कार्यकर्ता है

2 _ भगवत प्रसाद द्विवेदी

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता नगर परिषद मनगवा वार्ड क्रमांक एक के निवासी है पूर्व में भी नगर परिषद मनगवा में एल्डर मैन की जिम्मेदारी निभा चुके है पार्टी के प्रति समर्पित भाव से काम को देखते हुए आपको एक बार पुनः से एल्डर मैन की जिम्मेदारी मिली है पार्टी के प्रति आभार व्यक्त किया गया है

3_ श्री मती कुशुमलता वर्मा

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता है वा पूर्व पार्षद की जिम्मेदारी भी निभा चुकी हैं रामाधार वर्मा जी की बड़ी बहू बृजेश कुशुमलाता वर्मा का पारिवारिक पृष्ठभूमि संघ वा भाजपा का रहा है पार्टी के प्रति समर्पित भाव निष्ठा लगन को देखते हुए इन्हें एक बार पुनः नगर परिषद मनगवा में सेवा भाव के लिए एल्डर मैन के पद पर नियुक्त किया गया है श्री मती कुसुमलता वर्मा ने पार्टी के प्रति आभार कृतज्ञता व्यक्त किया गया है

4 _ श्रीमती पूनम बंसल

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व जिला मंत्री बाबूलाल बंसल जी की बहू है श्री मती पूनम गणेश बंसल जी को एल्डर मैन नियुक्त किया गया है श्री मती पूनम बंसल का पारिवारिक पृष्ठभूमि पार्टी के प्रति समर्पित भाव से काम करने का रहा है जीवन भर इन्होंने पार्टी के प्रगति विकाश के लिए काम किया है

मनगवां विधानसभा क्षेत्र के विधायक इंजीनियर नरेंद्र प्रजापति के प्रति नव नियुक्त एल्डर मैन पदाधिकारियों ने जताया आभार

मनगवां नगर परिषद में नव नियुक्त एल्डर मैन पदाधिकारियों ने अपनी नियुक्ति को लेकर पार्टी वा क्षेत्रीय विधायक इंजीनियर नरेंद्र प्रजापति जी के प्रति आभार वा कृत्यज्ञत व्यक्त किया है और यह भी कहा है कि पार्टी के प्रति माननीय विधायक जी वा जिन्होंने हमे नई जिम्मेदारी सौंपी है यह हमारे लिए प्रसन्नता का विषय है हम सभी माननीय विधायक जी के प्रति आभारी है

मनगवां में 'मन की बात' का भव्य आयोजनः सिनेमा हॉल में बड़ी स्क्रीन पर सुना गया प्रधानमंत्री का संदेश

साधना एक्सप्रेस रीवा मनगवां।

विधानसभा क्षेत्र मनगवां-73 के नगर परिषद अंतर्गत बूथ क्रमांक 266 में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' का सीधा प्रसारण छोटू महाराज सिनेमा हॉल में बड़ी स्क्रीन पर किया गया।

गौरतलब है कि छोटू महाराज सिनेमा हॉल मध्य प्रदेश का तहसील स्तर पर स्थापित प्रथम सिनेमा हॉल है, जहां भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर प्रधानमंत्री के विचारों को सुना और आत्मसात किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर अपने विचार रखते हुए देशवासियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक इंजीनियर नरेंद्र प्रजापति मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष श्री अरूणेन्द्र मिश्रा, पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री नामवर सिंह, जनपद पंचायत गंगेव अध्यक्ष श्री विकास तिवारी, जिला पंचायत सदस्य श्री केडी शुक्ला, मंडल महामंत्री श्री गणेश सिंह, जिला स्तरीय कार्यकर्ता श्री प्रबोध व्यास, श्री विवेक गौतम, श्री अशोक सिंह सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इसके साथ ही विधायक प्रतिनिधि श्रीमती प्रियंका तिवारी, युवा मोर्चा अध्यक्ष श्री अखिल सोनी, श्री लवकुश गुप्ता, श्री संजीव उर्मलिया, श्री मृगेंद्रनाथ त्रिपाठी, एडवोकेट बालेन्द्र तिवारी (अध्यक्ष, अधिवक्ता संघ), उपाध्यक्ष एडवोकेट विनोद पांडेय, एडवोकेट मंडलेश्वर तिवारी, एडवोकेट श्रीमती रानी तिवारी, श्री अमित विश्वकर्मा, विधायक प्रतिनिधि श्री विष्णुदेव कुशवाहा, श्री जगजीवनलाल तिवारी, श्री यादवेन्द्र गोस्वामी, बूथ अध्यक्ष विद्यासागर गोस्वामी, सूरज पटेल, श्री जगतनारायण मिश्रा, श्री लक्ष्मीकांत तिवारी, श्रीमती मधू जायसवाल, श्री केदार जायसवाल, श्री सुदर्शन जायसवाल सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम ने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया और संगठनात्मक मजबूती का संदेश दिया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने पूर्व विधायक श्री सिंह को दी श्रद्धांजलि

भोपाल| उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रविवार को पूर्व विधायक श्री यादवेंद्र सिंह के सतना में कचनार ग्राम स्थित निवास पहुंचकर उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए शोक संवदना व्यक्त की। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मिलकर ढांढस बंधाया। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्री यतेन्द्र सिंह, श्री जितेंद्र सिंह, श्री अरुण सिंह, श्री बालेंद्र गौतम सहित पूर्व विधायक स्व.श्री यादवेंद्र सिंह के परिजन उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित ।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490, प्रबंध संपादक आशीष नेमा मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा ।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698